छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

RNI Reg. No.-CHHHIN/2009/36148
डाक पंजीयन क्र.-45/Surguja Dn/2024-26

वर्ष - 17 ■ अंक - 228 ■ अम्बिकापुर, शनिवार 05 सितम्बर 2026 पृष्ठ -8 ■ मूल्य - 1 रूपये

WWW.cgfrontline.com

आईजी के निर्देश पर 4 डॉक्टरों की टीम ने किशोरी के शव का दोबारा कराया पोस्टमार्टम

मामला आदिवासी किशोरी की ठेकेदार के घर में संदिग्ध मौत का, स्वजन ने हत्या करार दिया

अंतिम संस्कार की तैयारी के बीच प्राइवेट पार्ट में सूजन देखकर बनी संदेह की स्थिति

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। सूरजपुर जिले के भटगांव क्षेत्र में ठेकेदार के घर काम करने वाली आदिवासी किशोरी के शव का शुक्रवार को मेडिकल कॉलेज अस्पताल अंबिकापुर में चार चिकित्सकों की टीम ने वीडियोग्राफी के साथ दोबारा पोस्टमार्टम कराया। मृतका का शव लेकर स्वजन और ग्रामीण गुरुवार की रात पुलिस महानिरीक्षक कार्यालय पहुंच गए थे। आरोप है कि पुलिस ने जांच में लापरवाही की है और ठेकेदार को बचाने का प्रयास किया जा रहा है। इन्होंने किशोरी के साथ यौन शोषण के बाद हत्या की आशंका भी जताई है। स्वजन की मांग के अनुरूप पुलिस महानिरीक्षक दीपक कुमार झा के निर्देश पर मृतका का मेडिकल कालेज अस्पताल में दोबारा पोस्टमार्टम हुआ और शव स्वजन को सौंप दिया गया है।

बता दें कि, मृतका बलरामपुर जिले के चांदो थाना क्षेत्र की रहने वाली थी। वह पिछले एक महीने से भटगांव थाना क्षेत्र में एक ठेकेदार के घर में रहकर घरेलू काम कर रही थी। मंगलवार शाम स्वजन को फोन पर सूचना मिली कि किशोरी ने फांसी लगा ली है। सूचना मिलने के बाद स्वजन बुधवार को भटगांव पहुंचे थे। स्वजन ने बताया कि जब वे भटगांव पहुंचे तो किशोरी का शव पहले ही अस्पताल पहुंचा दिया गया था। उन्हें बताया गया कि, ठेकेदार के यहां ही किशोरी ने फांसी लगा ली थी। बुधवार को ही शव का पोस्टमॉर्टम कर दिया गया और ठेकेदार ने पीड़ित परिवार को 20 हजार रुपये भी दिए। इसके बाद शव को उसके गृहग्राम चांदो भेज दिया गया। गुरुवार को गांव में अंतिम संस्कार की तैयारी की जा रही थी। इसके पहले की जानी वाली प्रक्रिया के दौरान स्वजन को संदेह हुआ। उन्होंने देखा कि किशोरी के गले में फांसी लगाने के निशान नहीं हैं, और प्राइवेट पार्ट में सूजन भी है। इसी संदेह के आधार पर उन्होंने गांव के लोगों से चर्चा की। प्रकरण की जानकारी लगने पर सर्व आदिवासी समाज के लोग उनकी मदद के लिए सामने आ गए। गुरुवार रात पिकअप में मृतका का शव लेकर वे अंबिकापुर स्थित पुलिस महानिरीक्षक कार्यालय पहुंच गए। यहां आईजी दीपक झा से स्वजन के अलावा सर्व आदिवासी समाज के प्रतिनिधिमंडल ने चर्चा की।

डॉक्टर और थाना इंचार्ज से नहीं मिला सही जवाब

स्वजन के साथ सर्व आदिवासी समाज के सदस्यों ने आईजी के समक्ष आरोप लगाया कि किशोरी ने फांसी नहीं लगाई है, बल्कि उसकी हत्या की गई है। घटना की सूचना न तो पुलिस और न ही ठेकेदार ने पंचायत के सरपंच तक को नहीं दी, दो दिन बाद सूचना दी गई। उन्होंने आरोप लगाया कि उन्होंने चिकित्सक और थाना प्रभारी से अपनी बात रखने की कोशिश उन्होंने की लेकिन उनकी नहीं सुनी गई और न ही उनके सवालों का सही जवाब दिया। उन्हें विश्वास में लिए बगैर पंचनामा और पोस्टमार्टम की कार्रवाई पूरी कर दी गई। किशोरी के साथ यौन शोषण और उसकी हत्या करने की उन्हें आशंका है। इन आरोपों को गंभीरता से लेते हुए आईजी ने मृतका का शव रात को ही मेडिकल कॉलेज अस्पताल में रखवाया और शुक्रवार को चार चिकित्सकों की टीम से वीडियोग्राफी के साथ दोबारा पोस्टमार्टम कराया।

आर्थिक तंगी में गई थी काम करने

मृतका बलरामपुर जिले की रहने वाली है। छह भाई-बहनों का परिवार है। आर्थिक रूप से बेहद कमजोर होने के कारण किसी परिचित के माध्यम से मृतका को घरेलू काम पर जायसवाल ठेकेदार के यहां लगा दिया गया था। घरवालों को उम्मीद थी कि घरेलू काम के बदले कुछ रुपये मिलेंगे तो घर गृहस्थी चलाने में मदद मिलेगी, लेकिन इस घटना ने अभावग्रस्त परिवार को और तोड़ दिया है। घर में छोटे-छोटे भाई-बहन हैं और अब परिवार न्याय की मांग कर रहा है। फिलहाल पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही यह स्पष्ट होगा कि किशोरी की मौत फांसी से हुई है या हत्या है, और यौन शोषण हुआ है या नहीं।

लापरवाही मिलने पर होगी कार्रवाई

पुलिस महानिरीक्षक सरगुजा रेंज दीपक कुमार झा ने कहा कि- मृतिका के 'स्वजन को आशंका है कि प्रकरण की जांच सही तरीके से नहीं की गई है और दोबारा पोस्टमार्टम की मांग रखी गई थी। दोबारा चिकित्सकों की टीम से पोस्टमार्टम कराया गया है। जांच में किसी प्रकार की लापरवाही मिली तो संबंधित पुलिस अधिकारियों पर कार्रवाई होगी।'

खीस्त मिलन आश्रम के फादर ने एयरगन से किया फायर, एक युवक घायल

ग्राउंड में बैठे थे दोनों युवक, पुलिस ने आरोपी फादर को किया गिरफ्तार

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। शहर के रिंग रोड नमनाकला में स्थित खीस्त मिलन आश्रम में शुक्रवार दोपहर उस समय सनसनी फैल गई, जब आश्रम के फादर ने मैदान में बैठे दो युवकों पर एयरगन से फायर कर दिया। भागने के दौरान एक युवक के गर्दन में एयरगन के छर्रे लगे, जिससे वह घायल हो गया। घटना के बाद इलाके में हड़कंप मच गया।

जानकारी के मुताबिक, शहर के खटिकपारा निवासी दो युवक एजाज सोनकर और आयुष सोनकर शुक्रवार की दोपहर रिंग रोड स्थित खीस्त मिलन आश्रम नमनाकला के मैदान में बैठे थे, और दोनों वहां धूम्रपान कर रहे थे। आश्रम के फादर विनोद तिर्की की नजर उन पर पड़ी। फादर ने सोचा कि युवक चोरी करने की नीयत से आश्रम परिसर में घुसे हैं। इसी शक में उन्होंने एयरगन निकालकर दोनों युवकों पर फायर कर दिया। एयरगन देखकर दोनों युवक भागने लगे। इस दौरान आयुष सोनकर के गर्दन में छर्रे लगे और वह घायल हो गया। घायल युवक का आरोप है कि, फादर ने उन्हें गड़ासा लेकर भी दौड़ाया था। घटना के बाद आश्रम का मेन गेट बंद कर दिया गया। इसके बाद युवकों ने डॉयल-112 को फोन करके मामले की जानकारी दी। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और युवकों को आश्रम से बाहर निकालकर ले गई। घायल आयुष को पुलिस ने अस्पताल पहुंचाया, जहां प्राथमिक उपचार के बाद उसे छुट्टी दे दी गई। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

पुलिस ने एयरगन जब्त किया

एयरगन के छर्रे से घायल आयुष ने मामले की रिपोर्ट कोतवाली थाने में दर्ज कराई। रिपोर्ट पर पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए आरोपी फादर विनोद तिर्की को गिरफ्तार करके उनके कब्जे से फायर में उपयोग किए गए एयरगन को बरामद कर लिया है। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ आर्म्स एक्ट के तहत कार्रवाई की है। बताया जा रहा है कि एयरगन से गोली चलने के बाद आश्रम के लोगों ने उसे छिपाने की कोशिश की और कपड़े से ढक कर एयरगन को कार से ले गए थे, हालांकि पुलिस ने एयरगन को जब्त कर लिया। पुलिस को आरोपी के पास से गड़ासा नहीं मिला है।

आरोपी फादर ने चोरी की नीयत से आश्रम में घुसने के शक में एयरगन से फायर किया था। फिलहाल आरोपी को गिरफ्तार कर लिया गया है और आगे की कार्रवाई की जा रही है।

अखिलेश सिंह
कोतवाली थाना प्रभारी

डॉक्टर से 65 लाख की धोखाधड़ी व जातिगत गाली-गलौज

अजाक थाना पुलिस ने दो आरोपितों के विरूद्ध केस दर्ज किया

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। चोपड़ापारा में स्थित केयर अस्पताल के पूर्व कर्मी व उसके साथी द्वारा अस्पताल संचालक की जानकारी के बिना खाते से 65 लाख रुपये निकाले जाने और इस संबंध में पूर्व कर्मचारी से पूछताछ करने पर उनके साथ जातिगत गाली-गलौज करने के मामले में पुलिस ने जांच के बाद अपराध दर्ज कर लिया है।

केयर अस्पताल की संचालिका डॉ. दीपिका टोप्पो ने आरोप लगाया था कि उनके अस्पताल में करीब दो वर्ष पूर्व से सुशील कुमार राय फार्मासिस्ट के रूप में कार्य करता था और वित्तीय लेखा-जोखा सहित अन्य दस्तावेजों का काम संभालता था। सुशील राय द्वारा बाद में अस्पताल के खाते से उनकी जानकारी और सहमति के बिना करीब 65 लाख रुपये की धोखाधड़ी कर दी गई। इसकी जानकारी होने पर जब उन्होंने इस संबंध में हिसाब मांगा तो उसके द्वारा जातिसूचक शब्दों का इस्तेमाल करके अपमानित करते हुए मोबाइल को छीनकर फर्स पर पटक दिया गया। इस दौरान उनके पति डॉ. अशोक टोप्पो व ससुर से भी बदसलूकी की गई। इस मामले में सुशील का साथी नवीन द्विवेदी भी शामिल था। चिकित्सक ने इसकी शिकायत पुलिस महानिरीक्षक सरगुजा रेंज से की थी, जिन्होंने मामले को जांच के लिए थाना अजाक को भेज दिया था।

शिकायत में नवीन द्विवेदी पर भी जातिसूचक टिप्पणी करने, अस्पताल चलाने के लिए 50 लाख रुपये तथा प्रतिमाह 5 लाख रुपये देने की कथित मांग और आपत्तिजनक वीडियो सार्वजनिक करने की धमकी देने का आरोप है। वहीं, 4 अगस्त को सुशील कुमार राय द्वारा अस्पताल के कर्मचारी के मोबाइल फोन कर कथित तौर पर गाली-गलौज और गोली से मारने की धमकी देने की बात कही गई है। शिकायतकर्ता ने अपनी शिकायत के साथ ऑडियो रिकॉर्डिंग भी संलग्न किया था। पूरे मामले की जांच के बाद शिकायत को सही पाते हुए पुलिस द्वारा मामले में सुशील राय व नवीन द्विवेदी के विरूद्ध बीएनएस की धारा 296, 351(3), 3(5) सहित अनुसूचित जाति/जनजाति अत्याचार निवारण अधिनियम की धाराओं के तहत अपराध दर्ज किया गया है।

कानून में डिजिटल अरेस्ट का कोई प्रावधान नहीं, ऑनलाइन फ्रॉड से बचने सतर्क रहें

पुलिस ने वरिष्ठ नागरिकों को बताया कैसे हथकंडे अपनाते हैं साइबर अपराधी

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। स्थानीय 'सियान गुड़ी' में वरिष्ठ नागरिकों के लिए एक विशेष साइबर जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इसमें लगभग 50 की संख्या में वरिष्ठ नागरिक शामिल हुए, जिन्हें वर्तमान में चल रहे विभिन्न प्रकार के साइबर अपराधों और उनसे बचने के तरीकों के बारे में विस्तार से बताया गया।

बता दें कि, डीआईजी एवं एसएसपी सरगुजा राजेश अग्रवाल के दिशा-निर्देशन एवं अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक रितेश चौधरी के नेतृत्व में सरगुजा पुलिस द्वारा जिले में लगातार 'साइबर जागृति अभियान' चलाया जा रहा है। इसी कड़ी में शुक्रवार को वरिष्ठ नागरिकों को बताया गया कि, साइबर ठग खुद को सीबीआई, ईडी पुलिस या ट्राई का अधिकारी बताकर डराते हैं। वे कहते हैं कि आपके नाम से कोई अवैध पार्सल आया है या आपका सिम कार्ड किसी गैर-कानूनी गतिविधि में लिप्त है। इसके बाद वीडियो कॉल पर आपको 'डिजिटल अरेस्ट' करने की धमकी देकर कमरे में बंद रहने को कहते हैं और मोटी रकम वसूलते हैं। ऐसे मामलों में यह बात गांठ बांध लें कि कानून में 'डिजिटल अरेस्ट' जैसा कोई प्रावधान नहीं है। कोई भी सरकारी एजेंसी वीडियो कॉल पर न तो किसी को गिरफ्तार करती है और न ही पैसे मांगती है। ऐसा कोई भी कॉल आने पर तुरंत फोन काटें और पुलिस को सूचना दें।

कार्यक्रम में सियान गुड़ी की संचालिका रीता अग्रवाल के अलावा 'नवा बिहान' संस्था से अजय तिवारी एवं मंगल पांडे, पुलिस विभाग की ओर से उप निरीक्षक अभय तिवारी तथा साइबर सेल से अनुज जायसवाल एवं अमन पुरी उपस्थित रहे। इन्होंने वरिष्ठ नागरिकों को जरूरी टिप्स दिए।

पेंशन और जीवन प्रमाण पत्र धोखाधड़ी

ठग अक्सर बुजुर्गों को निशाना बनाकर पेंशन रुकने या डिजिटल जीवन प्रमाण पत्र अपडेट करने के नाम पर फर्जी लिंक भेजते हैं या कॉल करके बैंक डिटेल्स मांगते हैं। इससे बचाव के लिए पेंशन या बैंक से जुड़ी किसी भी समस्या के लिए सीधे संबंधित कार्यालय या बैंक शाखा में जाएं। फोन पर किसी को भी अपनी व्यक्तिगत जानकारी न दें।

फर्जी कस्टमर केयर और केवाईसी अपडेट

बिजली बिल नहीं भरने पर कनेक्शन काटने, सिम कार्ड ब्लॉक होने या बैंक अकाउंट फ्रीज होने का डर दिखाकर ठग बुजुर्गों से उनके बैंक खाते की जानकारी या ओटीपी साइबर अपराधी ले लेते हैं। बताया गया कि कभी भी किसी अज्ञात नंबर से आए लिंक पर क्लिक करके कोई ऐप डाउनलोड न करें। इससे ठग आपके मोबाइल का पूरा एक्सेस ले लेते हैं।

लॉटरी और निवेश के नाम पर झांसा

कौन बनेगा करोड़पति के नाम पर लॉटरी लगने या कम समय में पैसा दोगुना करने का लालच देकर बुजुर्गों की जमा-पूंजी ठग ली जाती है। बिना मेहनत के मिलने वाले किसी भी भारी-भरकम मुनाफे के झांसे में नहीं आना चाहिए। साइबर सेल ने वरिष्ठ नागरिकों को सलाह दिया है कि 'पंच सूत्र' याद रखते हुए अपना बैंक खाता नंबर, एटीएम पिन, सीवीवी, यूपीआई पिन और ओटीपी कभी भी, किसी भी परिस्थिति में किसी के साथ साझा न करें। यदि कोई आपको डराने की कोशिश करता है, तो घबराने के बजाय तुरंत अपने परिवार के सदस्यों, बच्चों या पास के पुलिस स्टेशन को सूचित करें।

हेल्पलाइन नंबर 1930 में दें सूचना

यदि कोई व्यक्ति साइबर धोखाधड़ी का शिकार हो जाता है, तो बिना समय गंवाए तुरंत राष्ट्रीय साइबर हेल्पलाइन नंबर 1930 पर कॉल कर अपनी शिकायत दर्ज कराएं या साइबर पोर्टल पर लॉग इन करें। जितनी जल्दी सूचना दी जाएगी, पैसे वापस ब्लॉक होने की संभावना उतनी ही अधिक होगी।सरगुजा पुलिस आम नागरिकों और विशेषकर वरिष्ठ नागरिकों की सुरक्षा के लिए सदैव तत्पर है। पुलिस अधिकारियों ने सभी बुजुर्गों से अपील की है कि, वे तकनीक का उपयोग सावधानी से करें और किसी भी प्रकार के संदिग्ध कॉल या मैसेज आने पर सतर्क रहें।

बिस्तर में सो रही महिला को करैत डसा, इलाज दौरान मौत

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। सूरजपुर जिले के प्रतापपुर थाना क्षेत्र अंतर्गत चौकी खडगवां के ग्राम पम्पापुर में रात में एक ही बिस्तर में परिवार के साथ सो रही महिला को जहरीले करैत सांप ने डस लिया, जिससे उसकी अस्पताल में मौत हो गई। पुलिस ने मामले में मर्ग कायम कर लिया है।

जानकारी के मुताबिक, मृतका फुलकेन टोप्पो पति मलकू राम 31 वर्ष, घटना दिनांक 3 सितम्बर को रात करीब 9 बजे महिला अपने पति, 03 बच्चे के साथ एक ही बिस्तर में सो रही थी। 4 सितम्बर को अलसुबह करीब 4 बजे फुलकेन अचानक उठी और चिल्लाकर बताई कि उसे कुछ काट दिया है। आवाज सुनकर सभी उठ गए और आसपास देखे तो बिस्तर के नीचे करैत सांप जाते हुए दिखाई दिया। महिला के पीठ में सांप के काटने का निशान था। सांप काटने की पुष्टि होने पर वे फौरन किराए की गाड़ी से उसे इलाज के लिए होलीक्रॉस अस्पताल अंबिकापुर लेकर पहुंचे। डॉक्टरों ने इलाज शुरू किया, लेकिन जहर पूरे शरीर में फैल चुका था। इलाज के दौरान उसकी मृत्यु हो गई। पुलिस ने मृतिका के शव को पोस्टमार्टम के बाद स्वजन के सुपुर्द कर दिया है।

ट्रांसफार्मर से कॉपर वाइंडिंग चोरी, 26 घरों में ब्लैक आउट के बाद केस दर्ज

छ.ग.फ्रंटलाइन भटगांव। सूरजपुर जिले के भटगांव वितरण केंद्र अंतर्गत ग्राम चुनगड़ी खटखारपारा में अज्ञात चोरों ने बिजली विभाग को बड़ा नुकसान पहुंचाया है। 25 अगस्त से 02 सितंबर के बीच रात्रि पहर में चोरों ने 16 केवीए के ट्रांसफार्मर के अंदर से कॉपर वाइंडिंग चोरी कर लिया, जिससे 26 घरों में ब्लैक आउट की स्थिति बन गई।

कनिष्ठ यंत्री, भटगांव ने थाना भटगांव में रिपोर्ट दर्ज कराया है कि कॉपर वायर की चोरी से ट्रांसफार्मर पूरी तरह फेल हो गया है, जिससे विभाग को लगभग 40 हजार रुपये का नुकसान हुआ और गांव के 26 घरेलू कनेक्शनों की सप्लाई ठप हो गई है, जिससे उन्हें परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। ग्रामीणों की सूचना पर विभाग को घटना का पता चला और उन्होंने मौके का निरीक्षण किया। इस दौरान सामने आया कि बिजली ट्रांसफार्मर के अंदर चोरों ने कॉपर वायर निकाला है। पुलिस ने मामले में बीएनएस की धारा 303(2) के तहत अपराध पंजीबद्ध करके विवेचना में लिया है।

(बालाजी क्लीनिक)
मद्रासी दवाखाना
Reg. No. Cg03026 ISO 9001: 2015 CERTIFIED

बादी एवं खूनी बवासीर, नासूर, भगंदर, फीसर एवं कांच (गुदा) का क्षार सूत्र से, एवं आंतों की बीमारियों जैसे पेट का भारीपन, गैस, कब्ज, पुरुष और स्त्री के गुप्त रोगों का आयुर्वेदिक उपचार किया जाता है।

डॉ. के.एम. राव
एम.एस.(आयु) शल्य
भूतपूर्व प्राध्यापक शल्य विभाग
शासकीय आयुर्वेद कॉलेज अहमदाबाद

समय :- सोमवार से शनिवार, सुबह 10 से 2, शाम 6 से 7:30
रविवार सुबह 10 से 2, शाम को बंद रहेगा

बिलासपुर रोड, बिलासपुर चौक, अम्बिकापुर मो. 90099-56307

नदी की बाढ़ में फंसा मछली मारने गया युवक, डीडी आर एफ टीम ने किया रेस्क्यू

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

सूरजपुर। जिले के ओड़गी थाना क्षेत्र अंतर्गत ग्राम माढर में मछली पकड़ने के दौरान उफनती नदी के तेज बहाव में फंसे एक व्यक्ति को जिला प्रशासन की राहत एवं बचाव टीम ने तत्परता और साहस के साथ सुरक्षित बाहर निकाल लिया है।

बताया गया है कि ग्राम ममाढर का अशोक सोनपाकर मछली पकड़ने के दौरान नदी के तेज बहाव की चपेट में आ गया और बहते हुए एक चट्टान पर फंस गया। घटना की सूचना भैयाथान एसडीएम द्वारा जिला प्रशासन को दी गई। सूचना मिलते ही जिला सेनानी संजय गुप्ता के निर्देश पर डीडीआरएफ की संयुक्त टीम तत्काल घटनास्थल पर मौके पर पहुंचकर बचाव दल ने विपरीत परिस्थितियों में सावधानीपूर्वक रेस्क्यू ऑपरेशन शुरू किया। टीम के सदस्यों ने समन्वय और सूझबूझ के साथ चट्टान पर फंसे अशोक सोनपाकर को सुरक्षित बाहर निकाला और सुरक्षित स्थान तक पहुंचाया।

इस दौरान सफल रेस्क्यू अभियान में डीडीआरएफ संयुक्त टीम प्रभारी हवलदार बीरबल गुप्ता सहित आनंद चौबे, धनश्य नेताम, हंसलाल, देवनारायण, त्रिनेत्र सिंह, शिवनारायण सिंह, सिद्धू सिंह, रिकेश कुमार एवं विदेश सिंह की महत्वपूर्ण भूमिका रही।पूरे रेस्क्यू ऑपरेशन में थाना प्रभारी ओड़गी निरीक्षक दिनेश कुमार पुरेना, एएसआई ज्ञानचंद सिंह, प्रधान आरक्षक उदय कुमार सिंह, मनोज वर्मा, आरक्षक अनिल एक्का का भी सक्रिय योगदान रहा।

जिला प्रशासन ने नागरिकों से अपील की है कि भारी बारिश के दौरान नदी-नालों के बढ़े जलस्तर और तेज बहाव को देखते हुए इनके समीप जाने से बचें तथा सुरक्षा संबंधी निर्देशों का पालन करें तथा किसी भी आपात स्थिति में तत्काल संबंधित प्रशासनिक अमले को सूचना देने की अपील की है।

कोल इंडिया कर्मचारियों का वीडीए बढ़कर हुआ 26.8 प्रतिशत

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

बिश्रामपुर। कोल इंडिया एवं उसकी अनुषंगी कंपनियों में कार्यरत वेतन बोर्ड कर्मचारियों के लिए महंगाई भत्ते से जुड़ी अहम खबर सामने आई है। कर्मचारियों के वेरिएबल डियरनेस अलाउंस में संशोधन करते हुए इसे 26.8 प्रतिशत प्रति माह निर्धारित किया गया है। नई दर 1 सितंबर से प्रभावी होकर 30 नवंबर तक लागू रहेगी। इससे कोल इंडिया की विभिन्न अनुषंगी कंपनियों में कार्यरत पात्र कर्मचारियों को निर्धारित अवधि में संशोधित वीडीए का लाभ मिलेगा। कोल इंडिया के औद्योगिक संबंध विभाग द्वारा जारी 3 सितंबर के कार्यालय ज्ञापन में वीडीए की नई दर की जानकारी दी गई है। आदेश के बाद कोयला उद्योग से जुड़े कर्मचारियों के बीच वीडीए को लेकर चर्चा तेज हो गई है और कर्मचारी इसे वेतन में महंगाई राहत से जोड़कर देख रहे हैं। जारी निर्देश के अनुसार वेतन बोर्ड कर्मचारियों के वीडीए का संशोधन निर्धारित प्रक्रिया के तहत वर्ष में चार बार किया जाता है। इसमें 1 मार्च, 1 जून, 1 सितंबर और 1 दिसंबर से नई दर प्रभावी होती है। इसके लिए संबंधित अवधि के औसत अखिल भारतीय उपभोक्ता मूल्य सूचकांक के आंकड़ों को आधार बनाया जाता है। महंगाई और उपभोक्ता मूल्य सूचकांक में होने वाले बदलाव के अनुरूप वीडीए की दर में समय-समय पर संशोधन किया जाता है।

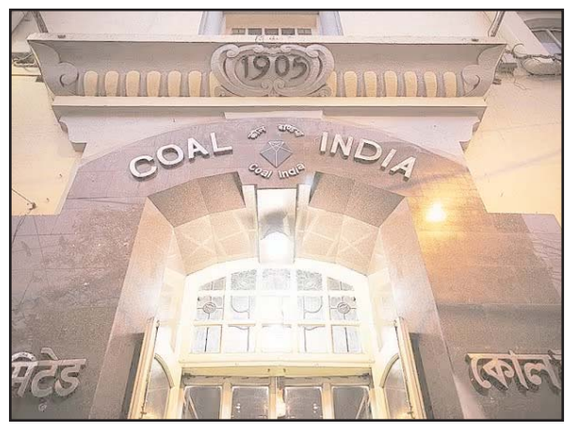

नवीनतम आदेश के मुताबिक 1 सितंबर से 30 नवंबर तक वेतन बोर्ड कर्मचारियों को 26.8 प्रतिशत की दर से वीडीए का भुगतान किया जाएगा। यह संशोधित दर कोल इंडिया लिमिटेड के साथ-साथ उसकी सभी संबंधित अनुषंगी कंपनियों के पात्र वेतन बोर्ड कर्मचारियों पर लागू होगी।

वर्तमान संशोधन के बाद कर्मचारियों को अब अगली तिमाही के लिए जारी होने वाले एआईसीपीआई आंकड़ों का इंतजार रहेगा। 1 दिसंबर से वीडीए की अगली दर निर्धारित प्रक्रिया के अनुसार पुन: संशोधित की जाएगी। गौरतलब है कि वीडीए वेतन बोर्ड कर्मचारियों के वेतन ढांचे का महत्वपूर्ण हिस्सा है। इसमें होने वाला संशोधन सीधे तौर पर महंगाई के प्रभाव को कम करने के उद्देश्य से कर्मचारियों को अतिरिक्त राहत प्रदान करता है। ऐसे में नई दर लागू होने से कोल इंडिया एवं उसकी अनुषंगी कंपनियों में कार्यरत पात्र कर्मचारियों के वेतन में निर्धारित अवधि के दौरान संशोधित वीडीए का लाभ जुड़ेगा।कोल इंडिया के ताजा आदेश के बाद एसईसीएल समेत विभिन्न अनुषंगी कंपनियों के कर्मचारियों और श्रमिक संगठनों के बीच भी नई वीडीए दर को लेकर चर्चाएं शुरू हो गई हैं। कर्मचारियों की नजर अब दिसंबर से लागू होने वाली अगली वीडीए दर पर रहेगी।

जुआ खेल रहे 6 आरोपी गिरफ्तार, 55,650 रुपये और 52 पत्ती ताश जब्त

धमतरी, छ.ग. फ्रंटलाइन। जिले में जुआ-सट्टा और अवैध गतिविधियों के खिलाफ पुलिस की कार्रवाई लगातार जारी है। पुलिस अधीक्षक भावना पांडेय

के निर्देश पर कोतवाली पुलिस ने जालमपुर स्थित राठी गोदाम के पास काट-पत्ती जुआ खेल रहे 6 आरोपियों को रंगे हाथ गिरफ्तार किया है। पुलिस ने जुआ फड़ और आरोपियों के कब्जे से 55 हजार 650 रुपये नगद तथा 52 पत्ती ताश बरामद की है।

पुलिस के मुताबिक थाना कोतवाली को सूचना मिली थी कि जालमपुर स्थित राठी गोदाम के सामने कुछ लोग ताश के पत्तों पर रुपये का दांव लगाकर काट-पत्ती जुआ खेल रहे हैं। सूचना की तस्दीक के बाद पुलिस टीम तत्काल मौके पर पहुंची और योजनाबद्ध तरीके से घेराबंदी कर जुआ खेल रहे लोगों को पकड़ लिया। मौके से कुल 6 आरोपी जुआ खेलते हुए रंगे हाथ पकड़े गए।

पुलिस ने आरोपियों के कब्जे और जुआ फड़ से कुल 55,650 रुपये नगद तथा 52 पत्ती ताश जब्त की है। मामले में थाना कोतवाली में अपराध क्रमांक 211/26 दर्ज कर धारा 3(2) जुआ एक्ट के तहत वैधानिक कार्रवाई की जा रही है।

दीघा के पांच मंजिला लॉज से गिरकर बिश्रामपुर के युवक की मौत

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

बिश्रामपुर। पश्चिम बंगाल के पूर्व मेदिनीपुर जिले के दीघा स्थित पांच मंजिला लॉज की बालकनी से गिरने से बिश्रामपुर निवासी संतोष सिंह (47) की मौत हो गई। हादसा 3 सितंबर की तड़के करीब चार बजे हुआ। घटना की सूचना मिलने के बाद परिजन पश्चिम बंगाल पहुंचे, जहां पुलिस ने पंचनामा और पोस्टमार्टम की कार्रवाई पूरी कर शव परिजनों को सौंप दिया।

जानकारी के अनुसार रेलवे स्टेशन बिश्रामपुर निवासी संतोष सिंह अंबिकापुर निवासी प्रदीप शर्मा की टूरिस्ट ट्रैवल बस के चालक थे। वे तीन-चार दिन पहले अंबिकापुर, सिलफिली सहित आसपास के क्षेत्रों के लोगों को लेकर पश्चिम बंगाल

भ्रमण पर गए थे। सभी लोग पूर्व मेदिनीपुर जिले के दीघा स्थित बंगा क्लीन लॉज में ठहरे हुए थे। बताया जा रहा है कि गुरुवार तड़के संतोष अपने कमरे से शौचालय जाने के लिए बालकनी की ओर निकले थे। इसी दौरान संभवत: नींद की हालत में उनका संतुलन बिगड़ गया और वे पांच मंजिला इमारत से नीचे गिर गए। सिर के बल गिरने के कारण उनकी मौके पर ही मौत हो गई।

हादसे की जानकारी मिलते ही परिजन पश्चिम बंगाल पहुंचे। पुलिस कार्रवाई और पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों को सौंप दिया गया। परिजन शव लेकर शुक्रवार देर शाम बिश्रामपुर के लिए रवाना हुए। घटना की खबर से परिवार में शोक और मातम का माहौल है।

चाकू लहराकर लोगों को डराने वाला आरोपी गिरफ्तार

रायपुर, छ.ग. फ्रंटलाइन। ईदगाह भाठा मैदान के पास धारदार बटनदार चाकू लहराकर आम लोगों को डराने-धमकाने वाले एक आरोपी को आजाद चौक पुलिस ने गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपी के कब्जे से धारदार बटनदार चाकू बरामद किया है। आरोपी के खिलाफ आर्म्स एक्ट के तहत मामला दर्ज कर उसे न्यायालय में पेश किया गया।

पुलिस के मुताबिक 4 सितंबर 2026 को थाना आजाद चौक पुलिस को मुखबिर से सूचना मिली थी कि ईदगाह भाठा मैदान के पास एक व्यक्ति हाथ में धारदार बटनदार चाकू लेकर आने-जाने वाले लोगों को दिखाकर डरा-धमका रहा है और चाकू लहरा रहा है। सूचना मिलते ही पुलिस टीम तत्काल मौके पर पहुंची और घेराबंदी की। पुलिस को देखकर आरोपी ने भागने का प्रयास किया, लेकिन पुलिस टीम ने घेराबंदी कर उसे पकड़ लिया। पकड़े गए आरोपी की पहचान शेख युसुफ उर्फ नजमुद्दीन (41 वर्ष), निवासी ईदगाहभाठा के सामने, रायपुर के रूप में हुई है।

13 बच्चों से शुरू हुआ कारवां, 60 साल में बना शिक्षा का मुकाम : पी. बी. सोना

कोरबा, छ.ग. फ्रंटलाइन। सीएसईबी कोरबा पूर्व स्थित बीकन इंग्लिश मीडियम स्कूल ने अपनी शैक्षणिक यात्रा के 60 वर्ष पूरे होने पर हीरक जयंती (डायमंड जुबली) समारोह हर्षोल्लास के साथ मनाया। वर्ष 1966 को अमेरिकन मिशनरी रेव्ह. एल.डब्ल्यू. जेक्सन और मटिलदा जेक्सन द्वारा महज 13 छात्र-छात्राओं से शुरू हुआ यह विद्यालय आज कोरबा ही नहीं, बल्कि बिलासपुर संभाग के प्रमुख अंग्रेजी माध्यम विद्यालयों में अपनी विशिष्ट पहचान बना चुका है। विद्यालय से शिक्षा प्राप्त विद्यार्थी देश-विदेश में उच्च पदों के साथ प्रशासनिक व विभिन्न क्षेत्रों में अपनी सेवाएं दे रहे हैं।

समारोह की अध्यक्षता विद्यालय की प्राचार्या वाय.ए. नाथन ने की। कार्यक्रम में क्रिश्चियन मेनो. एजुकेशन सोसाइटी के अध्यक्ष पी.बी. सोना, मुख्य अतिथि डीएसपीएम के मुख्य अभियंता संजीव कंसल तथा विशिष्ट अतिथि अधीक्षण अभियंता अमित फुटाने मंचस्थ रहे। समारोह में वार्षिक परीक्षा में उत्कृष्ट अंक प्राप्त करने वाले कक्षा पांचवीं, आठवीं, दसवीं और बारहवीं के छात्र-छात्राओं को प्रशस्ति पत्र व शील्ड प्रदान कर सम्मानित किया गया। विद्यालय के छात्र-छात्राओं ने विभिन्न सांस्कृतिक व रंगारंग कार्यक्रमों की प्रस्तुति देकर समारोह को यादगार बना दिया। मंच संचालन ए. खानम, आर. कांत तथा शाला नायक अयान खान ने किया। कार्यक्रम में शिक्षिका पी. तिवारी, आर.आर. साहू, पी. तिग्गा, पी. किंडो, आर.के.पी. नंद, ए. कुमार, एन. साहू, आर. साहू, एस. मोंगरे, वी. मिश्रा, राका निर्मलकर सहित अन्य शिक्षक-शिक्षिकाएं व पालकगण उपस्थित रहे। समारोह के अंत में अतिथियों व विद्यालय परिवार ने केक काटकर 60 वर्षों की यात्रा का जश्न मनाया। इसके बाद सभी बच्चों को केक वितरित किया गया।

मुख्य अतिथि श्री कंसल ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि विद्यालय केवल परीक्षा में अंक हासिल करने का माध्यम नहीं, बल्कि जीवन को दिशा देने का स्थान है। उन्होंने विद्यार्थियों से अनुशासन, मेहनत और निरंतर सीखने की आदत को जीवन का हिस्सा बनाने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि स्कूली जीवन में सीखी गई छोटी-छोटी बातें ही आगे चलकर व्यक्तित्व और सफलता की मजबूत नींव बनती हैं। श्री फुटाने ने कहा कि स्कूली जीवन की यादें व्यक्ति के जीवन में हमेशा सबसे अनमोल रहती हैं और यही दौर सपनों को आकार देता है। उन्होंने विद्यार्थियों को लक्ष्य निर्धारित कर पूरी लगन के साथ आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि शिक्षा के साथ अच्छे संस्कार और सकारात्मक सोच ही विद्यार्थी को समाज और देश के लिए उपयोगी नागरिक बनाती है।

डीजल चोरी करने पहुंचे आधा दर्जन बदमाशों का ट्रेलर चालक ने किया प्लान फेल, स्कॉर्पियो को मारी जोरदार टक्कर, वाहन छोड़ फरार हुए डीजल चोर

कोरबा, छ.ग. फ्रंटलाइन। कटघोरा बाईपास पर खड़े ट्रेलरों से डीजल चोरी करने पहुंचे 6 से 7 बदमाशों का प्लान एक ट्रेलर चालक की हिम्मत के कारण फेल हो गया। बदमाश स्कॉर्पियो में सवार होकर पहुंचे थे और सड़क किनारे खड़े ट्रेलर से डीजल निकाल रहे थे। इसी दौरान ट्रेलर चालक की नजर उन पर पड़ गई। चालक ने बदमाशों को रोकने की कोशिश की तो उन्होंने कथित तौर पर उसे धमकाया। इसके बाद चालक ने हिम्मत दिखाते हुए अपना ट्रेलर स्टार्ट किया और बदमाशों की स्कॉर्पियो को जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर के बाद बदमाश वाहन छोड़कर मौके से फरार हो गए।

जानकारी के मुताबिक घटना 2 सितंबर की सुबह तड़के कटघोरा बाईपास की है। सड़क किनारे कई ट्रेलर खड़े थे। इसी दौरान एक स्कॉर्पियो में 6 से 7 लोग पहुंचे और खड़े ट्रेलरों को निशाना बनाया। आरोप है कि बदमाशों ने एक ट्रेलर से डीजल निकालना शुरू कर दिया। इसी दौरान ट्रेलर चालक की नजर उन पर पड़ गई। चालक ने बदमाशों को रोकने की कोशिश की। आरोप है कि इस दौरान बदमाशों ने उसे धमकाया। इसके बावजूद चालक पीछे नहीं हटा और उसने अपना ट्रेलर स्टार्ट कर दिया। बदमाशों को रोकने के प्रयास में चालक ने अपने ट्रेलर से उनकी स्कॉर्पियो को जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी तेज थी कि स्कॉर्पियो बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई। अचानक हुई टक्कर से बदमाशों में अफरा-तफरी मच गई और वे मौके से भाग निकले। डीजल चोरी की कोशिश भी नाकाम हो गई, जबकि बदमाश अपनी स्कॉर्पियो वहीं छोड़कर फरार हो गए।

पूरी घटना के अहम सुराग पास के पेट्रोल पंप में लगे सीसीटीवी कैमरों से मिले हैं। फुटेज में स्कॉर्पियो से संदिग्धों के मौके पर पहुंचने और खड़े ट्रेलरों के आसपास गतिविधियां करते हुए नजर आने की बात सामने आई है। पुलिस अब सीसीटीवी फुटेज के आधार पर संदिग्धों की पहचान करने में जुटी है। स्कॉर्पियो को जब्त कर लिया। वाहन से डीजल के कंटेनर भी बरामद किए गए हैं। स्कॉर्पियो को थाने लाया गया है। कटघोरा थाना प्रभारी प्रेमचंद साहू के मुताबिक, वाहन जब्त कर लिया गया है और सीसीटीवी फुटेज के आधार पर संदिग्धों की पहचान की जा रही है। आरोपियों की तलाश में पुलिस की कार्रवाई जारी है।

घटना के बाद कटघोरा बाईपास पर ट्रक और ट्रेलर चालकों में डीजल चोरी को लेकर चिंता बढ़ गई है। चालकों का कहना है कि बाईपास पर खड़े भारी वाहनों से डीजल चोरी की घटनाएं सामने आती रहती हैं। यह भी जानकारी सामने आई है कि इसी गिरोह की पाली थाना क्षेत्र में हुई डीजल चोरी की किसी घटना में संलिप्तता की आशंका जताई जा रही है, हालांकि इसकी पुष्टि पुलिस जांच पूरी होने के बाद ही हो सकेगी।

6 से 7 संदिग्धों के एक साथ पहुंचने के बावजूद ट्रेलर चालक ने घबराने के बजाय उन्हें रोकने की कोशिश की। चालक की तत्परता से डीजल चोरी की कोशिश नाकाम हो गई और टक्कर के बाद संदिग्ध अपनी स्कॉर्पियो छोड़कर भागने को मजबूर हुए। अब पुलिस जब्त वाहन और सीसीटीवी फुटेज के जरिए पूरे मामले की कड़ियां जोड़ने और संदिग्धों तक पहुंचने में जुटी है।

शराब पीने से मना करने पर पत्नी पर जानलेवा हमला

धमतरी, छ.ग. फ्रंटलाइन। मगरलोड थाना क्षेत्र के ग्राम भैंसमुंडी में घरेलू विवाद के दौरान पत्नी पर जानलेवा हमला करने वाले आरोपी पति को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस के मुताबिक आरोपी ने शराब पीने से मना करने की बात पर पत्नी के सिर पर लोहे के हथौड़े से कई वार कर उसे गंभीर रूप से घायल कर दिया था। घटना के बाद आरोपी मौके से फरार हो गया था। पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर घटना में प्रयुक्त लोहे का हथौड़ा और अन्य महत्वपूर्ण भौतिक साक्ष्य जब्त किए हैं।

पुलिस के अनुसार 2 सितंबर 2026 की रात ग्राम भैंसमुंडी निवासी चम्मन लाल साहु (36) शराब के नशे में घर पहुंचा था। शराब पीने से मना करने की बात को लेकर उसका अपनी पत्नी किरण साहु से विवाद हो गया। विवाद के दौरान आरोपी ने कथित तौर पर गुस्से में आकर घर में रखे लोहे के हथौड़े से पत्नी के सिर पर कई वार कर दिए। हमले में महिला गंभीर रूप से घायल हो गई, जिसके बाद आरोपी मौके से फरार हो गया।

घटना की जानकारी मिलने पर परिजनों ने तत्काल डायल-112 को सूचना दी। पुलिस टीम ने मौके पर पहुंचकर घायल महिला को उपचार के लिए सीएचसी मगरलोड पहुंचाया। महिला की गंभीर स्थिति को देखते हुए चिकित्सकों ने उसे जिला अस्पताल धमतरी रेफर कर दिया, जहां उसका उपचार जारी है। घटना की गंभीरता को देखते हुए पुलिस अधीक्षक धमतरी भावना पाण्डेय के निर्देश पर मगरलोड पुलिस तत्काल सक्रिय हुई। पीड़िता की ओर से मिली रिपोर्ट के आधार पर थाना मगरलोड में धारा 109 बीएनएस के तहत अपराध दर्ज कर विवेचना शुरू की गई।

पुलिस टीम ने घटनास्थल का निरीक्षण कर मौका नक्शा तैयार किया और प्रार्थी एवं गवाहों के बयान दर्ज किए। घायल महिला का चिकित्सकीय परीक्षण भी कराया गया। विवेचना के दौरान पुलिस ने आरोपी चम्मन लाल साहु को हिरासत में लेकर पूछताछ की। पुलिस के अनुसार पूछताछ और मेमोरेण्डम कथन के आधार पर आरोपी की निशानदेही पर घटना में प्रयुक्त लोहे का हथौड़ा गवाहों की मौजूदगी में बरामद कर विधिवत जब्त किया गया।

इसके अलावा पुलिस ने घटना से जुड़े अन्य महत्वपूर्ण भौतिक साक्ष्य भी जब्त किए हैं।

पुलिस ने आरोपी को विधिवत गिरफ्तार करने के बाद वैधानिक कार्रवाई पूरी की और न्यायालय में पेश किया। न्यायालय के आदेश के बाद आरोपी को न्यायिक रिमांड पर जेल भेज दिया गया।

केंद्रीय जेल में कृष्ण जन्माष्टमी पर गूंजे भजन, बंदियों ने उत्साह से फोड़ी मटकी

बिलासपुर, छ.ग. फ्रंटलाइन। केंद्रीय जेल बिलासपुर में कृष्ण जन्माष्टमी का पर्व श्रद्धा, उल्लास और सौहार्द के साथ मनाया गया। जेल परिसर में भगवान कृष्ण के जन्मोत्सव की आकर्षक सजावट की गई। बाल स्वरूप कृष्ण, झूले और धार्मिक सजावट ने पूरे परिसर को भक्तिमय बना दिया।

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में बिलासपुर विधायक अमर अग्रवाल उपस्थित रहे। भगवान कृष्ण की पूजा-अर्चना और भजन-कीर्तन में बंदियों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की। इसके साथ ही मटकी फोड़ कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जिसमें बंदियों ने पूरे उत्साह के साथ हिस्सा लिया।

अमर अग्रवाल ने बंदियों को भगवान कृष्ण के जीवन और

उनके आदर्शों से प्रेरणा लेने का संदेश दिया। उन्होंने सत्य, धर्म, कर्म और सदाचार के महत्व पर प्रकाश डालते हुए सकारात्मक सोच एवं अच्छे आचरण को जीवन में अपनाने की बात कही। कार्यक्रम का उद्देश्य बंदियों में आध्यात्मिक एवं सकारात्मक भावनाओं का विकास करने तथा उन्हें भारतीय संस्कृति और धार्मिक परंपराओं से जोड़ना रहा। अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने भी बंदियों के साथ कार्यक्रम में सहभागिता की और उन्हें जन्माष्टमी की शुभकामनाएं दीं।

इस अवसर पर जेल अधीक्षक खोमेश मंडावी, प्रभारी उप जेल अधीक्षक मती कोकिला वर्मा, सहायक जेल अधीक्षक विजयानंद सिंह सहित जेल के अधिकारी-कर्मचारी एवं बड़ी संख्या में बंदी उपस्थित रहे। कार्यक्रम शांतिपूर्ण एवं सौहार्दपूर्ण वातावरण में संपन्न हुआ।

शिक्षा जब नौकरी नहीं, राष्ट्र निर्माण का संकल्प थी

राज नारायण द्विवेदी

भारत में 5 सितंबर केवल कैलेंडर की तारीख नहीं है। यह कृतज्ञता का दिन है, उन व्यक्तित्वों के प्रति जिन्होंने हमें अक्षरज्ञान ही नहीं, जीवन को समझने की दृष्टि भी दी। यह दिन भारत के दूसरे राष्ट्रपति, महान दार्शनिक और शिक्षाविद डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन की जयंती के रूप में मनाया जाता है। शिक्षक दिवस की सबसे प्रेरक बात यह है कि यह स्वयं डॉ. राधाकृष्णन की इच्छा से जुड़ा है। जब उनके छात्रों ने जन्मदिन मनाने की इच्छा जताई तो उन्होंने कहा कि यदि इसे शिक्षक दिवस के रूप में मनाया जाए तो उन्हें अधिक प्रसन्नता होगी। एक व्यक्ति जिसने देश के सर्वोच्च पद को सुशोभित किया, वह अपना जन्मदिन शिक्षक समुदाय को समर्पित कर दे, इससे बड़ी विनम्रता और क्या होगी। भारत में गुरु की परंपरा प्राचीन है। ह्यगुरुर्ब्रह्मा गुरुर्विष्णुः गुरुदेवो महेश्वरःह्ण केवल धार्मिक वाक्य नहीं, बल्कि उस दर्शन का प्रतीक है जिसमें शिक्षक बौद्धिक विकास के साथ चरित्र निर्माण भी करता है। गुरुकुलों में ग्रंथों के साथ अनुशासन, सेवा और सामाजिक दायित्व भी सिखाया जाता था। आज शिक्षा के सामने नई चुनौतियाँ हैं। तकनीक ने सूचना को व्यापक बना दिया है। विद्यार्थी के पास मोबाइल, इंटरनेट और एआई है। लेकिन सूचना और ज्ञान में अंतर है। इंटरनेट सूचना दे सकता है, मशीन उत्तर दे सकती है, पर सही-गलत का विवेक कौन देगा? यहीं शिक्षक अपरिहार्य है। वह उत्तर ही नहीं, प्रश्न पूछना और ज्ञान को परखना सिखाता है। शिक्षक राष्ट्र निर्माण की आधारशिला है। डॉक्टर, इंजीनियर, वैज्ञानिक, सैनिक - सभी के निर्माण की शुरूआत एक शिक्षक से होती है। लेकिन आज शिक्षा का व्यावसायीकरण, अंक-दौड़ और परीक्षा-केंद्रित व्यवस्था ने शिक्षक और छात्र दोनों पर दबाव बढ़ाया है। प्रतिभा को अंकों से मापा जा रहा है। जबकि सफलता केवल प्रमाणपत्र में नहीं, चरित्र, संवेदनशीलता और जिम्मेदारी में भी है। एक संवेदनशील शिक्षक बच्चे की विशिष्ट प्रतिभा को पहचानता है। आज केवल पुष्प देने से काम नहीं चलेगा। हमें सोचना होगा कि क्या हम शिक्षकों को वह सम्मान, संसाधन और गरिमापूर्ण परिस्थितियाँ दे रहे हैं जिसके वे हकदार हैं। डॉ. राधाकृष्णन ने अपने जीवन से साबित किया कि शिक्षक की भूमिका कक्षा से बड़ी है। वे शिक्षक से राष्ट्रपति तक पहुंचे।शिक्षक दिवस पर अपने उन शिक्षकों को याद करें जिनके एक वाक्य ने जीवन की दिशा बदल दी। शिक्षक का सबसे बड़ा पुरस्कार छात्र की सफलता है। तकनीक का स्वागत हो, पर शिक्षक की मानवीय भूमिका कम न हो।

प्रदेश का सबसे बड़ा लकड़ी तस्कर गिरफ्तार, खैर-तेंदू तस्करी के अंतर्राज्यीय सिंडिकेट का पर्दाफाश

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

रायगढ़। पुलिस और वन विभाग ने बड़ी कार्रवाई करते हुए वन तस्करी के अंतर्राज्यीय सिंडिकेट का खुलासा किया है। छत्तीसगढ़ के सबसे बड़े लकड़ी तस्कर माने जा रहे मनीष अग्रवाल सहित तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है। एसएसपी शशि मोहन सिंह, डीएफओ अरविंद पीएम, एडिशनल एसपी अनिल सोनी और सीएसपी मयंक मिश्रा ने पुलिस कंट्रोल रूम में प्रेस कॉन्फ्रेंस कर मामले का खुलासा किया।

तीन राज्यों से कटाई, दूसरे राज्यों में सप्लाई

गिरोह छत्तीसगढ़, ओडिशा और मध्यप्रदेश के वन क्षेत्रों से खैर और तेंदू की बेशकीमती लकड़ियों की अवैध कटाई कराता था। धरमजयगढ़, घरघोड़ा और तमनार क्षेत्र के ग्रामीणों को पैसों का लालच देकर कटाई कराई जाती थी। आरोपी रोहित मित्तल लकड़ियों को गढ़उमरिया (जामटीकरा) स्थित गोदाम में जमा करता था। वहां मनीष अग्रवाल के साथ मिलकर छंटाई और प्रोसेसिंग होती थी। फिर वाहन मालिक भरत कुमार मेश्राम और सलाउद्दीन खान की मदद से माल हरियाणा, हिमाचल समेत अन्य राज्यों में भेजा जाता था। फर्जी ट्रांसपोर्ट परमिट से कारोबार को वैध दिखाया जाता था।

गोदाम में छापा, 188 लट्ठे जब्त

वन विभाग को मई 2025 में सूचना मिली थी कि जूटमिल थाना क्षेत्र के गढ़उमरिया गोदाम में अवैध भंडारण है। 15 मई 2025 को छापेमारी में ट्रक क्रमांकसीजी 15 डीवी-7577 में लदे तेंदू के 42 लट्ठे और गोदाम से तेंदू-खैर के 146 लट्ठे बरामद हुए। साथ ही जलाऊ लकड़ी, वजन मशीन, कुल्हाड़ी, हथौड़ा और कटर मशीन जब्त की गई। परमिट जांच में फर्जी निकले। जूटमिल थाने में बीएनएस और वन अधिनियम के तहत मामला दर्ज कर सीएसपी मयंक मिश्रा के नेतृत्व में टीम गठित की गई। गिरफ्तार आरोपियों में रोहित मित्तल (अग्रसेन कॉलोनी रायगढ़), मनीष अग्रवाल (बलौदाबाजार) और सलाउद्दीन खान (सारंगढ़-बिलाईगढ़) शामिल हैं। सभी को न्यायिक रिमांड पर भेजा गया है। आरोपी भरत मेश्राम फरार है।

गांवों की सीमा पर पांच दिनों से हाथी की चहल कदमी, दहशत में ग्रामीण

नवडिहा से जुड़वनिया तक हाथी की आवाजाही ने बढ़ाई ग्रामीणों की चिंता, फसलों को नुकसान

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

चांदनी-बिहारपुर। क्षेत्र में इन दिनों एक अकेले हाथी की लगातार आवाजाही ग्रामीणों के लिए चिंता का कारण बनी हुई है। पिछले करीब पांच दिनों से एक हाथी क्षेत्र के जंगलों और ग्रामीण इलाकों के आसपास विचरण कर रहा है। हाथी के झुंड से बिछड़कर अकेले क्षेत्र में पहुंचने की बात सामने आ रही है। हाथी की मौजूदगी को लेकर नवडिहा, मोहरसोप, बसनारा, कछिया, खैरा और जुड़वनिया सहित आसपास के गांवों में ग्रामीणों के बीच दहशत का माहौल है। ग्रामीणों के अनुसार हाथी दिन के समय जंगल के भीतर चला जाता है और शाम ढलते ही जंगल से निकलकर खेतों एवं गांवों की सीमा की ओर पहुंचता है। ऐसे में शाम के बाद ग्रामीणों का खेतों की ओर जाना और जंगल से लगे रास्तों पर आवागमन जोखिम

भरा माना जा रहा है। वन विभाग भी ग्रामीणों को विशेष सतर्कता बरतने की सलाह दे रहा है। हाथी की आवाजाही का असर किसानों की फसलों पर भी पड़ रहा है। ग्रामीणों के मुताबिक हाथी खेतों में पहुंचकर धान, मक्का, कोदो-कुटकी और अरहर सहित अन्य फसलों को कुचलकर और खाकर नुकसान पहुंचा रहा है। बारिश के मौसम में खेतों में फसल खड़ी होने के कारण किसानों को आर्थिक नुकसान की चिंता सताने लगी है। हाथी के गांव की ओर आने की जानकारी मिलते ही लोग अपने घरों से बाहर निकलने से बच रहे हैं। खासकर शाम और रात के समय हाथी की गतिविधियों को लेकर ग्रामीण सतर्क हैं। लोगों में इस बात की भी चिंता है कि यदि हाथी अचानक किसी ग्रामीण रास्ते या घर के आसपास पहुंच गया तो स्थिति गंभीर हो सकती है। बिहारपुर क्षेत्र का बड़ा हिस्सा वन क्षेत्र से जुड़ा हुआ है। यहां वन विभाग के बिहारपुर परिक्षेत्र के जंगलों के साथ गुरु घासीदास राष्ट्रीय उद्यान क्षेत्र भी आसपास मौजूद है। जंगल से लगे गांवों में मानव और वन्यजीवों के बीच आवाजाही की स्थिति बरसात के मौसम में और संवेदनशील हो जाती है। बताया जा रहा है कि वर्तमान में अकेला हाथी दिनभर घने जंगल में रहने के बाद शाम के समय भोजन की तलाश में खेतों की ओर निकल रहा है। खेतों में खड़ी फसल हाथी को गांवों की सीमा तक खींच ला रही है। इससे ग्रामीणों को फसल नुकसान के साथ-साथ अपनी सुरक्षा की भी चिंता बनी हुई है। बरसात के मौसम में चांदनी-बिहारपुर क्षेत्र में हाथियों की आवाजाही देखने को मिलती है। जंगल से लगे होने के कारण क्षेत्र के कई गांव हाथियों के आवागमन से प्रभावित होते हैं। ग्रामीणों ने वन विभाग से मांग की है कि हाथी की गतिविधियों पर लगातार निगरानी रखी जाए, प्रभावित गांवों में वन अमले की गश्त बढ़ाई जाए और किसानों की फसलों को हुए नुकसान का सर्वे कर नियमानुसार सहायता उपलब्ध कराई जाए।

सक्षम योजना से बिंदिया को मिला आर्थिक संबल, किराना दुकान से बनीं आत्मनिर्भर

पति के निधन के बाद बिखरी जिंदगी को खुद संवारा, बच्चों की शिक्षा भी करा रहीं पूरी

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

अम्बिकापुर। पति के निधन के बाद टूटी हिम्मत को सक्षम योजना ने नया सहारा दिया और आज मेंड्रा कला की बिंदिया आत्मनिर्भरता की मिसाल बन गई हैं। अम्बिकापुर विकासखंड के ग्राम पंचायत मेंड्रा कला की रहने वाली बिंदिया के पति के निधन के बाद परिवार की आर्थिक स्थिति बिगड़ गई थी। ऐसे में आंगनबाड़ी कार्यकर्ता

और पर्यवेक्षक दीदी ने उन्हें महिला एवं बाल विकास विभाग की सक्षम योजना की जानकारी दी। आवेदन प्रक्रिया पूरी होने के बाद बिंदिया को 1 लाख रुपये का ऋण मिला। इस राशि से उन्होंने अपने गांव में ही छोटी सी किराना दुकान शुरू की। मेहनत और लगन से आज दुकान अच्छी चल रही है और वे अपने परिवार का भरण-पोषण खुद कर रही हैं। आय को व्यवस्थित करने के लिए उन्होंने बैंक खाता भी खुलवाया है।

बच्चों की शिक्षा बनी प्राथमिकता

बिंदिया के दो बच्चे हैं। उन्होंने दोनों बच्चों को 12वीं तक पढ़ाया है और अब दोनों स्नातक की पढ़ाई कर रहे हैं। दुकान की आमदनी से वे बच्चों की उच्च शिक्षा का खर्च भी उठा रही हैं। बिंदिया कहती हैं, पहले आर्थिक तंगी के कारण दूसरों पर निर्भर रहना पड़ता था, लेकिन सक्षम योजना ने आत्मविश्वास, सम्मान और आत्मनिर्भरता दी है। आज पैरों पर खड़ी हूं, भटकना नहीं पड़ता।

विष्णु भैया को बहुत-बहुत धन्यवाद

बिंदिया ने कहा, महिलाओं को सशक्त बनाने वाली सक्षम योजना के लिए विष्णु भैया को बहुत-बहुत धन्यवाद। शासन की योजनाओं ने महिलाओं को सशक्त बनाया है। बिंदिया की कहानी बताती है कि सही अवसर और सरकारी सहयोग मिले तो महिलाएं कठिन से कठिन परिस्थिति को बदल सकती हैं।

जन्माष्टमी पर मटकी बांधते समय हादसा, हाईटेंशन तार की चपेट में आकर युवक झुलसा

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

बिलासपुर। छत्तीसगढ़ की न्यायधानी से जन्माष्टमी पर्व के दौरान दर्दनाक हादसे की खबर सामने आई है। राजीव गांधी चौक पर दही-हांडी के लिए मटकी बांधते समय एक युवक हाईटेंशन लाइन की चपेट में आ गया।घायल युवक की पहचान रेहान खान के रूप में हुई है। बताया जा रहा है कि सिविल लाइन थाना क्षेत्र के राजीव गांधी चौक में जन्माष्टमी पर मटकी फोड़ कार्यक्रम की तैयारी चल रही थी। रेहान मटकी बांधने के लिए ऊपर चढ़ा था, इसी दौरान वह हाईटेंशन तार के संपर्क में आ गया और जोरदार करंट की चपेट में आ गया।हादसे में वह बुरी तरह झुलस गया। मौके पर मौजूद लोगों ने तत्काल उसे नीचे उतारा और सिम्स अस्पताल में भर्ती कराया। अस्पताल में उसका इलाज जारी है, उसकी हालत गंभीर बताई जा रही है। सूचना पर सिविल लाइन पुलिस मौके पर पहुंची और मामले की जांच शुरू कर दी है।

35 साल पुराने राधा-कृष्ण मंदिर में आज भी जीवंत है जन्माष्टमी की रौनक

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

रामानुजगंज। नगर के वार्ड 12 स्थित राधा-कृष्ण मंदिर में कृष्ण जन्माष्टमी का पर्व हर साल विशेष उत्साह और आस्था के साथ मनाया जाता है। करीब तीन दशक से यह मंदिर जन्माष्टमी के भव्य आयोजन का केंद्र बना हुआ है।मंदिर परिसर में आकर्षक सजावट, पूजा-अर्चना और धार्मिक कार्यक्रमों के साथ श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ती है।

1990 में हुई थी स्थापना

नगर के प्रतिष्ठित व्यापारी स्वर्गीय मदन प्रसाद गुप्ता ने 1990 में विधि-विधान से इस राधा-कृष्ण मंदिर की स्थापना की थी। स्थापना के बाद से ही यहां जन्माष्टमी धूमधाम से मनाई जा रही है और अब यह नगर के प्रमुख धार्मिक आयोजनों में शामिल हो गया है।

उनके पुत्र अनूप गुप्ता ने बताया कि 2001-02 से उनके द्वारा जन्माष्टमी महोत्सव का आयोजन कराया जा रहा है। पर्व को लेकर 15 दिन पहले से ही तैयारियां शुरू हो जाती हैं। साफ-सफाई, आकर्षक सजावट, विद्युत व्यवस्था को अंतिम रूप दिया जाता है। जन्माष्टमी की रात भगवान श्रीकृष्ण के जन्म के समय विशेष पूजा-अर्चना और अनुष्ठान होते हैं। मंदिर की भव्य सजावट से अद्भुत रौनक रहती है।

पीढ़ियों से जुड़ी आस्था

यह मंदिर केवल धार्मिक स्थल नहीं, बल्कि नगरवासियों की आस्था और सामाजिक जुड़ाव का केंद्र बन चुका है। लगातार हो रहे आयोजन ने कई पीढ़ियों को परंपरा से जोड़े रखा है। जन्माष्टमी पर बड़ी संख्या में श्रद्धालु दर्शन और पूजा के लिए पहुंचते हैं।

छत्तीसगढ़ में नक्सलवाद खत्म, अब विकास पर फोकस: सीएम

डबल इंजन सरकार और जवानों के साहस से संभव हुआ, बस्तर बनेगा देश का सर्वश्रेष्ठ आदिवासी संभाग

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने नक्सलवाद को लेकर बड़ा बयान दिया है। दौरे से लौटने के बाद उन्होंने कहा कि बस्तर में चार दशकों से चली आ रही नक्सल समस्या अब समाप्ति की ओर है और अब सरकार का लक्ष्य क्षेत्र में तेजी से विकास पहुंचाना है। मुख्यमंत्री ने कहा कि डबल इंजन की सरकार बनने के बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मार्गदर्शन, गृहमंत्री अमित शाह की दृढ़ इच्छाशक्ति और सुरक्षा बलों के अदम्य साहस से बस्तर में बड़ा बदलाव आया है। जिस काम को कभी असंभव माना जाता था, वह आज संभव हुआ है। साय ने दावा किया कि बस्तर में नक्सलवाद अब समाप्त हो चुका है। नक्सल प्रभाव से मुक्त होने के बाद सरकार का पूरा ध्यान बस्तर के विकास पर रहेगा। बस्तर को देश का सबसे अच्छा आदिवासी संभाग बनाने का संकल्प लिया गया है। उन्होंने कहा कि सरकार की प्राथमिकता है कि बस्तर के लोगों तक शिक्षा, स्वास्थ्य, सड़क, रोजगार जैसी मूलभूत सुविधाएं तेजी से पहुंचें। सुरक्षा मजबूत होने से विकास योजनाओं को जमीन तक पहुंचाने में आसानी होगी। लंबे समय तक प्रभावित रहे क्षेत्रों में नई ऊर्जा के साथ काम होगा। मुख्यमंत्री ने सुरक्षा बलों की भूमिका की सराहना करते हुए कहा कि उनके साहस से ही बस्तर में शांति और विश्वास का माहौल बना है।

वन विभाग में 3630 अस्थायी कर्मचारियों के नियमितीकरण का रास्ता साफ

15 दिन में आएगी समिति की रिपोर्ट

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

रायपुर। लंबे समय से नियमितीकरण का इंतजार कर रहे कर्मचारियों के लिए बड़ी खबर है। वन एवं जलवायु परिवर्तन विभाग में कार्यरत 3,630 कर्मचारियों को नियमित करने की प्रक्रिया शुरू हो गई है।सामान्य प्रशासन विभाग से प्रस्ताव को सहमति मिलने के बाद विभागीय स्तर पर कार्रवाई तेज कर दी गई है। माना जा रहा है कि दिवाली से पहले नियमितीकरण की प्रक्रिया पूरी की जा सकती है।

10 साल से अधिक सेवा वालों को लाभ

वन विभाग में 10 वर्ष या उससे अधिक समय से कार्यरत कर्मचारियों को नियमों के दायरे में लाया जा रहा है। इनमें तृतीय श्रेणी के 966 और चतुर्थ श्रेणी के 2,664 कर्मचारी शामिल हैं। ये सभी कार्यभारित और आकस्मिकता निधि से वेतन पा रहे हैं। विभाग ने इसके लिए चार सदस्यीय समिति का गठन किया है, जिसे 15 दिनों में रिपोर्ट सौंपने को कहा गया है। समिति में मुख्य वन संरक्षक रायपुर वृत्त मणिवासगन एस. और वनमंडलाधिकारी गरियाबंद मयंक पाण्डेय सदस्य हैं, जबकि उप वन संरक्षक रौनक गोयल सदस्य सचिव बनाए गए हैं। बताया गया है कि विभाग ने भर्ती तथा सेवा शर्तें नियम, 2024 लागू करने का प्रस्ताव शासन को भेजा था, जिस पर जीएडी की सहमति मिल चुकी है। अब नियमों को अंतिम रूप दिया जा रहा है। वर्षों से अस्थायी व्यवस्था में काम कर रहे कर्मचारियों में इस पहल से नियमितीकरण की उम्मीद बढ़ गई है। अंतिम लाभ नियमों के अधिसूचित होने के बाद स्पष्ट होगा।

सम्पादकीय

पारदर्शिता और व्यवस्था दुरुस्त करने की चुनौती

अयोध्या में राममंदिर का निर्माण करोड़ों लोगों की आस्था से जुड़ा ऐतिहासिक अध्याय है। मंदिर के भव्य स्वरूप के साथ यहां आने वाले श्रद्धालुओं की संख्या भी लगातार बढ़ रही है। जाहिर है, इतने बड़े धार्मिक केंद्र का संचालन अब केवल परंपरागत व्यवस्था के भरोसे नहीं छोड़ा जा सकता। श्रद्धालुओं की सुविधा, सुरक्षा, भीड़ प्रबंधन, स्वच्छता, चढ़ावे की सुरक्षा और प्रशासनिक कामकाज के लिए ऐसी व्यवस्था चाहिए, जिसमें अनुशासन के साथ पारदर्शिता और जवाबदेही भी सुनिश्चित हो। पूर्व एयर मार्शल जितेंद्र मिश्रा को राममंदिर ट्रस्ट का पहला मुख्य कार्यकारी अधिकारी बनाया जाना इसी आवश्यकता के संदर्भ में देखा जाना चाहिए। जितेंद्र मिश्रा लंबे समय तक वायुसेना में महत्वपूर्ण जिम्मेदारियां संभाल चुके हैं। ऑपरेशन सिंदूर के दौरान पश्चिमी वायु कमान का नेतृत्व करने और सैन्य सेवा में व्यापक प्रशासनिक अनुभव रखने वाले अधिकारी के सामने अब एक अलग तरह की चुनौती है। सेना में निर्णय प्रक्रिया स्पष्ट होती है, जिम्मेदारियां निर्धारित होती हैं और अनुशासन सर्वोच्च होता है। मंदिर प्रशासन में भी इन गुणों की जरूरत है, लेकिन यहां धार्मिक परंपराओं, श्रद्धालुओं की भावनाओं और स्थानीय संवेदनशीलताओं का ध्यान रखते हुए व्यवस्था को आगे बढ़ाना होगा। इसलिए उनकी नियुक्ति का मूल्यांकन केवल उनके सैन्य अनुभव से नहीं, बल्कि इस अनुभव को धार्मिक संस्थान की जरूरतों के अनुरूप ढालने की क्षमता से होगा। यह बदलाव ऐसे समय हुआ है, जब मंदिर में चढ़ावे की चोरी का मामला सामने आने के बाद प्रशासनिक व्यवस्था पर सवाल उठे। चढ़ावे की चोरी का अर्थ केवल धन की चोरी नहीं है। मंदिर में श्रद्धालु अपनी श्रद्धा से दान करता है। उसे भरोसा होता है कि उसकी ओर से अर्पित राशि सुरक्षित रहेगी और धार्मिक तथा सामाजिक कार्यों में उचित ढंग से इस्तेमाल होगी। इस भरोसे में किसी भी प्रकार की सेंध मंदिर प्रशासन के लिए गंभीर विषय है। इसलिए अब सबसे पहली प्राथमिकता ऐसी व्यवस्था बनाना होनी चाहिए, जहां अनियमितता की संभावना कम से कम हो और किसी भी गड़बड़ी की स्थिति में जिम्मेदारी तय की जा सके। तकनीक का इस्तेमाल निगरानी के लिए किया जा सकता है, लेकिन तकनीक तभी प्रभावी होगी जब उसके साथ मानवीय जवाबदेही भी तय हो। राममंदिर प्रशासन के सामने दूसरी बड़ी चुनौती बढ़ती भीड़ है। विशेष पर्वों और धार्मिक आयोजनों के दौरान लाखों श्रद्धालुओं के अयोध्या पहुंचने की स्थिति बन सकती है। ऐसे में प्रवेश और निकास, दर्शन की कतार, सुरक्षा, चिकित्सा सहायता, पेयजल और यातायात प्रबंधन के लिए पहले से मजबूत योजना जरूरी है। पहली महिला ट्रस्टी की नियुक्ति से प्रतिनिधित्व का दायरा बढ़ा है। अलग-अलग क्षेत्रों का अनुभव रखने वाले लोगों की मौजूदगी ट्रस्ट के निर्णयों को व्यापक दृष्टिकोण दे सकती है। लेकिन किसी भी संस्था की मजबूती केवल पदाधिकारियों के अनुभव से नहीं, बल्कि उसकी कार्यप्रणाली से तय होती है। निर्णयों में पारदर्शिता और जिम्मेदारी की स्पष्ट व्यवस्था जरूरी है। इसलिए नए मुख्य कार्यकारी अधिकारी के सामने सबसे बड़ी चुनौती केवल मंदिर की व्यवस्था संभालने की नहीं, बल्कि विश्वास को मजबूत करने की है। सैन्य अनुशासन, आधुनिक तकनीक और बेहतर प्रबंधन तभी सार्थक होंगे, जब उनके केंद्र में पारदर्शिता और जवाबदेही होगी। राममंदिर की भव्यता जितनी महत्वपूर्ण है, उतनी ही महत्वपूर्ण उसकी व्यवस्था की विश्वसनीयता भी है।

मुद्दा
राजकुमार सिंह

पंजाब में विधानसभा चुनाव अगले साल फरवरी में होने हैं, लेकिन राजनीतिक समीकरण अभी से बदलने लगे हैं। पंजाब में भाजपा को बड़ा राजनीतिक खिलाड़ी नहीं माना जाता, लेकिन उसके छात्र संगठन अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद (एबीवीपी) ने लगातार दूसरी बार पंजाब विश्वविद्यालय छात्र संघ अध्यक्ष पद पर जीत हासिल कर सबको चौंका दिया है। इस जीत का राजनीतिक अर्थ तब और बड़ा हो जाता है, जब पता चले कि पंजाब में सत्तारूढ़ आम आदमी पार्टी (आप) का छात्र संगठन दूसरे और सत्ता की प्रबल दावेदार कांग्रेस का छात्र संगठन एनएसयूआई तीसरे स्थान पर रहा। जुलाई में जंतर-मंतर पर 'जेन जी' आंदोलन से बने माहौल के मद्देनजर यह जीत भाजपा के लिए बेहद राहतकारी है।

भाजपा-अकाली गठबंधन की आहट

सीमावर्ती राज्य पंजाब में विधानसभा चुनाव अगले साल फरवरी में होने हैं, लेकिन राजनीतिक समीकरण अभी से बदलने लगे हैं। पंजाब में भाजपा को बड़ा राजनीतिक खिलाड़ी नहीं माना जाता, लेकिन उसके छात्र संगठन अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद (एबीवीपी) ने लगातार दूसरी बार पंजाब विश्वविद्यालय छात्र संघ अध्यक्ष पद पर जीत हासिल कर सबको चौंका दिया है। इस जीत का राजनीतिक अर्थ तब और बड़ा हो जाता है, जब पता चले कि पंजाब में सत्तारूढ़ आम आदमी पार्टी (आप) का छात्र संगठन दूसरे और सत्ता की प्रबल दावेदार कांग्रेस का छात्र संगठन एनएसयूआई तीसरे स्थान पर रहा।

जुलाई में जंतर-मंतर पर 'जेन जी' आंदोलन से बने माहौल के मद्देनजर यह जीत भाजपा के लिए बेहद राहतकारी है। बेशक पिछली बार एबीवीपी ने अकेले दम ही जीत हासिल की थी, लेकिन इस बार उसे शिरोमणि अकाली दल के छात्र संगठन सोई का समर्थन आगामी विधानसभा चुनाव की बाबत राजनीतिक संकेत भी माना जा रहा है। पिछले दिनों अकाली दल प्रधान सुखबीर सिंह बादल की प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात के बाद से ही राजनीतिक गलियारों में भाजपा-अकाली गठबंधन की चर्चाएं जोर पकड़ने लगी हैं। मोदी सरकार के लिए प्रतिष्ठा का प्रश्न बने परिसीमन विधेयक के समर्थन का ऐलान भी अकाली दल कर चुका है। बेशक भाजपा के संगठन महासचिव बीएल संतोष और पंजाब के प्रभारी बनाए गए सतीश पूनिया सभी 117 विधानसभा सीटों पर अकेले चुनाव लड़ने का इरादा दोहरा रहे हैं, लेकिन जमीनी समीकरण बहुत अनुकूल नजर नहीं आता। दशकों तक गठबंधन में रहे भाजपा-अकाली कई बार पंजाब में सरकार बना चुके हैं, लेकिन विवादास्पद कृषि कानूनों के विरुद्ध लंबे चले किसान आंदोलन के चलते दोनों की दोस्ती टूट गई। उन कृषि कानूनों की वापसी के बाद परस्पर विवाद का कोई कारण नहीं बचा। फिर 2022 के पिछले विधानसभा चुनाव में दोनों दल अकेले लड़ कर अपनी-अपनी ताकत भी आंक चुके हैं। अकाली दल मात्र तीन सीट जीत पाया तो भाजपा दो। तब कैप्टन अमरेंद्र सिंह की पंजाब लोक कांग्रेस और अकाली दल (संयुक्त) के साथ गठबंधन कर भाजपा 73 सीटों पर लड़ी थी। शिरोमणि अकाली दल से गठबंधन में भाजपा 23 सीटों पर लड़ती रही, जिनमें सबसे ज्यादा 19 उसने 2017 के लोकसभा चुनाव में जीती थीं। बेशक, 2024 के लोकसभा चुनाव में बिना कोई सीट जीते ही भाजपा ने मत प्रतिशत में छलांग लगाई, पर सिर्फ उसके बल पर राज्य में सत्ता का सपना साकार नहीं हो सकता। भाजपा का पूरा चुनावी गणित इस बात पर निर्भर नजर आता है कि बहुकोणीय मुकाबले में वह अपना हिंदू वोट बैंक एकजुट रख पाएगी, लेकिन नहीं भूलना चाहिए कि पंजाब में दूसरी बड़ी ताकत कांग्रेस को भी बड़ी संख्या में हिंदू मत मिलते रहे हैं। खासकर ग्रामीण क्षेत्रों में सिख मतदाताओं पर मजबूत पकड़ वाला अकाली दल और खासकर शहरी क्षेत्रों में हिंदू मतदाताओं की पसंद भाजपा मिलकर पंजाब में विजयी समीकरण बनाते रहे हैं, लेकिन पिछले कुछ सालों में दोनों के बीच दूरियां बढ़ती गईं। इस बीच आप के चमत्कारिक उभार से अकाली दल और भाजपा राज्य की राजनीति में तीसरे और चौथे स्थान पर फिसल गई हैं। फिर पिछले लोकसभा चुनाव में

'वारिस पंजाब दे' के नाम पर अमृतपाल सिंह की जीत ने भी पंजाब की बाबत चिंताजनक संकेत दिए हैं। इसलिए भी इस बार के विधानसभा चुनाव पंजाब की राजनीतिक दिशा तय करने में बेहद महत्वपूर्ण साबित हो सकते हैं। पिछले विधानसभा या लोकसभा चुनाव को संकेतक मानें, तस्वीर यही उभरती है कि सत्तारूढ़ आप को मुख्य विपक्षी दल कांग्रेस ही चुनौती दे सकता है, लेकिन दोनों में अंतकर्लह कम नहीं। आप के सात राज्यसभा सांसद भाजपा का कमल थाम चुके हैं। बेशक उनमें से कोई भी जनाधारवाला नेता नहीं है, लेकिन बड़े पैमाने पर होने वाले दलबदल माहौल बनाने-बिगाड़ने में मददगार होते हैं, खासकर तब जब आलाकमान के करीबी ही पाला बदल गये हों। उधर, पिछले विधानसभा चुनाव से पहले अपना घर खुद ही तहस-नहस कर लेने वाली कांग्रेस में भी सब कुछ ठीक नहीं है। भाजपा से आए नवजोत सिंह सिद्धू पर प्रियंका गांधी के वरदहस्त के चलते पहले तो पंजाब कांग्रेस अध्यक्ष सुनील जाखड़ को इस्तीफा देना पड़ा और फिर मुख्यमंत्री पद से कैप्टन अमरेंद्र सिंह की भी अपमानजनक विदाई हुई। सिद्धू प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष बनने में तो सफल हो गए, लेकिन मुख्यमंत्री पद पर चरणजीत सिंह चन्नी का दांव लग गया। हालांकि वह विधायकों की पसंद नहीं थे, पर दलित होना उनके पक्ष में गया, लेकिन वह दोनों विधानसभा सीट से खुद चुनाव हार गये। उसके बाद लोकसभा चुनाव जीतने में सफल रहे चन्नी अब कांग्रेस पर खुल कर दबाव बना रहे हैं कि उन्हें प्रदेश अध्यक्ष बनाया जाये या फिर 'मुख्यमंत्री चेहरा' घोषित किया जाये, लेकिन बात बन नहीं रही। चन्नी की भाजपा से नजदीकियों की भी चर्चा है। अभी कह पाना जल्दबाजी होगी कि चन्नी भाजपा में शामिल होंगे या अलग दल बनायेंगे, लेकिन कांग्रेस में उनकी पारी लंबी नहीं बची है। बड़ी संख्या में दलित कांग्रेस को वोट देते रहे हैं। इसलिए चन्नी का 'दलित कार्ड' कांग्रेस को सबसे ज्यादा नुकसान पहुंचायेगा। वैसे इस बीच मायावती की बसपा का अकेले चुनाव लड़ने का ऐलान भी अंततः कांग्रेस को ही नुकसान पहुंचाएगा। 2022 के विधानसभा चुनाव में बसपा, शिरोमणि अकाली दल से गठबंधन कर 20 सीटों पर लड़ी थी और नवांशहर की सीट जीतने में सफल भी रही थी। दिलचस्प तथ्य यह भी है कि देश में सबसे ज्यादा 32 प्रतिशत दलित आबादी पंजाब में होने के बावजूद बसपा वहां कभी बड़ी राजनीतिक ताकत नहीं बन पाई, जबकि वह उसके संस्थापक कांशीराम का गृह राज्य भी है। जाहिर है, पंजाब में बहुकोणीय चुनावी मुकाबले की तस्वीर उभर रही है, लेकिन उसका लाभ सिर्फ भाजपा को ही मिलने की कोई गारंटी नहीं। ऐसे में सत्ता के लिए मुख्य चुनावी मुकाबला आप और कांग्रेस के बीच ही होने से रोकने के लिए भी भाजपा-अकाली गठबंधन जरूरी लगता है। बेशक, अब गठबंधन पुरानी शर्तों पर नहीं हो सकता, जब अकाली दल 94 और भाजपा मात्र 23 सीटों पर चुनाव लड़ती थी। जाहिर है, सभी 117 सीटों पर अकेले लड़ने की हुंकार भरने वाली भाजपा बराबर की हिस्सेदारी के लिए दबाव बनाएगी, पर वह बंटबारा भी न सिर्फ इन दोनों, बल्कि पंजाब के लिए भी अच्छा साबित होगा। सुखबीर सिंह बादल का शिरोमणि अकाली दल जहां ग्रामीण क्षेत्रों और खासकर सिख समुदाय का प्रतिनिधित्व करता है, वहीं भाजपा शहरी क्षेत्रों और खासकर हिंदू समुदाय का। ऐसे में दोनों के बीच गठबंधन की बहाली पंजाब में राजनीतिक के साथ ही सामाजिक एकता को भी मजबूत करेगी। बेशक पंजाब आतंकवाद की अंधेरी सुरंग से निकल आया है, लेकिन अभी भी देश-विदेश में बैठे कुछ विघ्नसंतोषी तत्व फिर से माहौल बिगाड़ने के खतरनाक मंसूबे पाले हुए हैं, जिन्हें नाकाम करने के लिए राज्य में मजबूत सरकार और सामाजिक समरसता जरूरी है।

(लेखक वरिष्ठ पत्रकार हैं, ये उनके अपने विचार हैं।)

मंथन
डॉ. राजेन्द्र प्रसाद शर्मा

नेपाल त्रासदी : भावी संकट की पूर्व चेतावनी

एक बात साफ हो जानी चाहिए कि दुनिया के देशों के लिए नेपाल त्रासदी को हल्के में लेना बड़ी भूल होगी। 2020 की कनाड़ा की रॉक स्लाइड और 2023 की सिक्किम में साउथ ल्होनक झील की ग्लेशियल फटने की घटना हमारे सामने हैं। यह कोई पहली या अंतिम घटनाएं नहीं हैं, अपितु देखा जाए तो यह समय रहते प्रयास नहीं किए गए तो ऐसी घटनाओं की आवृति जल्दी और अतिविनाशकारी होगी, इससे नकारा नहीं जा सकता। जलवायु परिवर्तन के कारण पिछले सालों में जिस तरह से प्रकृति का विकराल रूप देखने को मिल रहा है, वह चाहे तूफानों के रूप में हो, चाहे जंगलों में लगती आग के कारण हो, ग्लेशियरों के पिघलने की हो, भूकंपों की हो, बेमौसम आंधी-बरसात की हो या समुद्री तूफानों की बढ़ती फ्रिक्वेंसी की हो बेहद गंभीर हो जाती है। वैज्ञानिकों व विशेषज्ञों की लगातार चेतावनी को नजरअंदाज करने का ही परिणाम है कि नेपाल जैसी त्रासदियां आम होती जा रही हैं। यह केवल नेपाल या इससे जुड़े क्षेत्र के लिए ही गंभीर हालात नहीं हैं अपितु अमेरिका, चीन, भारत सहित दुनिया के दस देश नेपाल जैसी त्रासदी के मुहाने पर खड़े हैं। यह भी सही है कि अभी तक भारत-नेपाल ही नहीं दुनिया के इस दायरें में आने वाला कोई भी देश इन आपदाओं से निपटने में पूरी तरह सक्षम नहीं हो सके हैं। जानकारों की मानें तो भारत, चीन, पाकिस्तान, पेरु के एक करोड़ 50 लाख लोग इनके दायरें में सीधे-सीधे आ रहे हैं। यह वह लोग हैं जो इन ग्लेशियलों के एक किलोमीटर से 10 किलोमीटर के दायरे में रह रहे हैं। आज ग्लोफ खतरे के दायरें में भारत, पाकिस्तान, कनाड़ा, पेरु, अमेरिका, चिली, इटली, नेपाल और कोलंबिया आए हुए हैं। आज संवाद या विचार का विषय यह नहीं रह गया है कि नेपाल त्रासदी में कितने लोगों ने अपनी जान गंवाई है या कितनी जन-धन हानि हुई है, अपितु यह हो जाता है कि इस तरह की त्रासदी से निपटने के लिए हम कहां तक तैयार हैं। सवाल यह भी है कि ऐसे हालात क्यों होते जा रहे हैं। उत्तराखंड त्रासदी हमारे सामने हैं और उस त्रासदी के परिणाम सामने होने के बावजूद लगभग साल दर साल भूस्खलन के मामले हर सीजन में सामने आ रहे हैं। यह साफ हो जाना चाहिए कि प्रकृति से एक सीमा से अधिक खिलवाड़ किया जाता है तो विकृति का सामना हमें करना ही पड़ेगा। जीवनदायी यही प्रकृति अपने विकराल रूप में पलटवार करती है। ऐसे में समय के साथ सबक लेना जरूरी हो जाता है। आज सारी दुनिया में पर्यावरण संरक्षण की बात तो की जाती है, पर उस पर अमल पूरी तरह से हो नहीं पा रहा है। हालात यही रहे तो सदी के अंत तक समुद्र का जलस्तर दो मीटर तक बढ़ सकता है। दूसरी ओर अभी से समुद्र तटीय कई शहर डूबने की जद में आने की चेतावनियां दी जा रही हैं। यदि हम हिमालय क्षेत्र की ही बात करें तो सतलुज बेसिन में 2019 में 560 ग्लेशियल झीलें थी जो चार साल यानी 2023 तक 1048 हो गई हैं। नेपाल त्रासदी ग्लेशियल लेक आदटबर्स्ट फ्लड यानी की ग्लोफ का परिणाम है। साधारण शब्दों में कहा जाए तो यह ग्लेशियल झील के फटने का परिणाम है। ऐसा नहीं है कि वैज्ञानिक इन हालातों पर नजर नहीं रख रहे हों, बल्कि देखा जाए तो लीड्स विश्वविद्यालय के ग्लेशियल फ्लडिंग के विशेषज्ञ डॉ. जानाथन कारीविक पहले ही चेता चुके हैं। हमारे देश के ही राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण एनडीएमए के विशेषज्ञों ने नेशनल ग्रीन ट्रिब्यूनल एनजीटी को रिपोर्ट प्रस्तुत कर हालात से रूबरू कराने के साथ ही ठोस सुझाव भी दिए हैं। दरअसल, एक सीमा से अधिक प्रकृति से छेड़छाड़ का ही परिणाम इस तरह की त्रासदियां होती हैं। आज लाख चेतानें के बावजूद सतलुज बेसिन में बांधों के साथ साथ विद्युत परियोजनाओं सहित विकास परियोजनाओं का दखल बढ़ा है। एक सीमा से अधिक मानवीय दखल बढ़ी है। इससे तापमान में स्वाभाविक रूप से बढ़ोतरी होने के साथ ही अपशिष्ट भी फैल रहा है। दरअसल प्रकृति से प्रत्यक्ष अप्रत्यक्ष रुप से छेड़छाड़ बढ़ रही है। एनडीएमए ने साफ कहा है कि सतलुज बेसिन में नई परियोजनाओं की स्वीकृति से पहले उनके परिणामों का भली प्रकार से अध्ययन और विश्लेषण किया जाए। परिणामों का आकलन कर गुणावगुण के आधार पर निर्णय लिए जाएं। यह भी देखा जाए कि ऐसे स्थानों में मानवीय दखल को एक सीमित दायरे तक ही रखा जाए। इसके साथ ही जलवायु व पर्यावरण विशेषज्ञों का दायित्व अधिक हो जाता है और आवश्यकता होने पर प्रकृति को बचाने के लिए इस क्षेत्र में कार्य कर रहे गैरसरकारी संगठनों को भी आगे आना होगा। आपदा प्रबंधन को भी ऐसा सिस्टम विकसित करना होगा जिससे इस तरह की घटनाओं की समय रहते चेतावनी मिल सके ताकि कम से कम जन हानि को तो बचाया जा सके।

(लेखक स्वतंत्र पत्रकार हैं, ये उनके अपने विचार हैं।)

वार्ता से हर समस्या का हल संभव

संकलित
दर्शन

वार्ता से प्रत्येक व्यक्ति का सरोकार है। जब मन में संदेह उपजे, हृदय अविश्वास से घिर जाए, मस्तिष्क में विचार न ठहरे, तब वार्ता से ही रास्ता निकलेगा। कोई भी विवाद हो, कैसी भी समस्या हो, फिर भी वार्ता से हल निकल सकता है। संबंधों में कितना भी ठहराव क्यों न आ जाए, लेकिन वार्ता के ताप से रिश्तों पर जमा बर्फ भी पिघल जाती है। वार्ता में शिथिलता के लिए केवल अहंकार दोषी होता है। किसी भी विध्वंस का कारण अहंकार ही रहा है। विश्व शांति की अवधारणा परस्पर संवाद पर ही टिकी है। संवादहीनता से कूटनीति और राजनीति अकेली पड़ सकती है। बातचीत चलती रहे तो विकल्प निकलने की संभावना बढ़ जाती है। चर्चाओं में तर्क, सुझाव और मतों का विभाजन होता रहता है। यह अनवरत प्रक्रिया है। जनता के मध्य निरंतर जनमत पर चर्चा चलती रहती है। लोक चर्चा और लोकमत से संसार की बड़ी समस्याओं पर सकारात्मक निष्कर्ष निकल सकते है। चर्चा या वार्ता को प्रोत्साहित करना उचित है। संवादहीनता को हतोत्साहित करना चाहिए। सभी द्वार भले ही बंद हो जाएं, लेकिन बातचीत का द्वार सदैव खुला रहे। लोग कहते हैं कि पैसों का काम पैसों से ही चलता है, बातों से नहीं। यह बात सच है कि बातों से कोई काम नहीं होता, काम तो काम करने से हो सकता है, लेकिन काम तभी हो सकता है, जब उस काम से पहले कोई विचार स्थिर हो। विचार स्थिर होगा तो उससे संबंधित बात पूरी हो सकेगी और बात होगी तो काम का आदेश होगा।

स्वयं के धर्म की चिंता

संकलित
प्रेरणा

एक आदमी तालाब के किनारे बैठ कर कुछ सोच रहा था। तभी उसने पानी में किसी के डूबने की आवाज सुनी और उसने तालाब की तरफ देखा तो उसे एक बिच्छू तालाब में डूबता दिखाई दिया। अचानक ही वह आदमी उठा और तालाब में कूद गया। उस बिच्छु को बचाने के लिए उसने उसे पकड़ लिया और तालाब के बाहर लाने लगा। इससे घबराकर बिच्छू ने उस आदमी को डंक मारा। आदमी का हाथ खून से भर गया वो जोर-जोर से चिल्लाने लगा, उसका हाथ खुल गया और बिच्छू फिर पानी में गिर गया। आदमी फिर उसके पीछे गया। उसने बिच्छु को पकड़ा। लेकिन बिच्छू ने फिर से उसे काट लिया। यह बार-बार होता रहा। यह पूरी घटना दूर बैठा एक आदमी देख रहा था। वो उस आदमी के पास आया और बोला-अरे भाई ! वह बिच्छू तुम्हे बार-बार काट रहा है। तुम उसे बचाना चाहते हो, वो तुम्हे ही डंक मार रहा है। तुम उसे जाने क्यूँ नहीं देते? मर रहा हैं अपनी मौत, तुम क्यूँ अपना खून बहा रहे हो? तब उस आदमी ने उत्तर दिया-भाई! डंक मारना तो बिच्छू की प्रकृति है। वह वही कर रहा है लेकिन मैं एक मनुष्य हूँ, और मेरा धर्म है दूसरों की सेवा करना और मुसीबत में उनका साथ देना। अतः बिच्छू अपना धर्म निभा रहा हैं और मैं मेरा।

जातिसूचक नामों से मुक्ति की मांग: यूपी से उठी आवाज, देशभर के नगर निकायों के लिए अहम सवाल

वरिष्ठ अधिवक्ता फारूक अहमद ने मुख्यमंत्री से की कार्रवाई की मांग; कहा, चार साल पुराने शासनादेश का आज तक नहीं हुआ पूरी तरह अमल

लखनऊ/उन्नाव। विशेष संवाददाता

क्या आजादी के 79 साल बाद भी हमारे शहरों और कस्बों की पहचान जाति के नाम से होती रहनी चाहिए क्या किसी मोहल्ले, वार्ड या बस्ती का नाम किसी विशेष जाति के आधार पर रखा जाना सामाजिक बराबरी और आधुनिक लोकतांत्रिक सोच के अनुकूल है

इन्हीं सवालों को लेकर उत्तर प्रदेश के वरिष्ठ अधिवक्ता और सामाजिक कार्यकर्ता फारूक अहमद ने मुख्यमंत्री को एक महत्वपूर्ण पत्र भेजकर प्रदेश के नगर निकायों में अब भी मौजूद जातिसूचक और असंसदीय नामों को हटाने की मांग की है। मामला केवल नाम बदलने का नहीं, बल्कि सामाजिक सम्मान, बराबरी और भेदभाव से मुक्त पहचान का है। यही वजह है कि यह मुद्दा अब राष्ट्रीय स्तर पर भी बहस का विषय बन सकता है। पत्र में कहा गया है कि उत्तर प्रदेश सरकार ने 7 मई 2022 को एक शासनादेश जारी कर नगर निकायों के उन वार्डों और मोहल्लों के नाम बदलने के निर्देश दिए थे, जिनके नाम किसी असंसदीय शब्द, विशेष जाति सूचक शब्द अथवा आपत्तिजनक पहचान से जुड़े हुए हैं। सरकार का स्पष्ट मानना था कि ऐसे नाम समाज में किसी वर्ग या समुदाय के प्रति नकारात्मक और अपमानजनक भावना पैदा कर सकते हैं।

चार साल बाद भी अधूरा है अमल

फारूक अहमद ने अपने पत्र में गंभीर सवाल उठाया है कि शासनादेश जारी होने के बावजूद प्रदेश के कई नगर निकायों में आज भी जातिसूचक नाम वाले वार्ड और मोहल्ले मौजूद हैं। पत्र के मुताबिक, नगर निकायों को अपने क्षेत्रों में ऐसे नामों की पहचान कर संबंधित बोर्ड से प्रस्ताव पास कराने और जिलाधिकारियों की संस्तुति के साथ शासन को भेजने के निर्देश दिए गए थे। लेकिन कई जगहों पर इस प्रक्रिया का पूरी तरह पालन नहीं किया गया। उन्होंने मुख्यमंत्री से मांग की है कि प्रदेश के सभी जिलाधिकारियों और नगर निकायों को फिर से स्पष्ट निर्देश जारी किए जाएं और समयबद्ध तरीके से ऐसे नामों को बदलने की कार्रवाई की जाए।

बांगरमऊ से सामने आया बड़ा सवाल

इस मुद्दे की शुरूआत उन्नाव जिले के बांगरमऊ नगर पालिका क्षेत्र से जुड़े एक मामले से हुई। सरकारी दस्तावेजों के अनुसार, पहले एक वार्ड का नाम ह्लभंगियानाह्व था, जिसे जातिसूचक और असंसदीय शब्द मानते हुए शासन ने संशोधित अधिसूचना जारी कर उसका नाम बदलकर ह्लसिद्धार्थ नगरह्व कर दिया था। यह फैसला अपने आप में एक मिसाल बना। सरकारी आदेश में स्पष्ट रूप से पुराने नाम को हटाकर सम्मानजनक और गैर-जातिगत नाम अपनाया गया। इसी उदाहरण के आधार पर अब सवाल उठाया जा रहा है कि जब एक नगर निकाय में ऐसा बदलाव संभव है, तो प्रदेश और देश के दूसरे शहरों-कस्बों में अब भी जाति आधारित नाम क्यों बने हुए हैं

हाईकोर्ट में भी उठा था मामला

इस विषय को लेकर इलाहाबाद हाईकोर्ट की लखनऊ पीठ में जनहित याचिका भी दाखिल की गई थी। इसके बाद उत्तर प्रदेश सरकार ने मई 2022 में प्रदेश के जिलाधिकारियों को आवश्यक कार्रवाई के निर्देश जारी किए थे। सरकारी आदेश में कहा गया था कि यदि किसी नगर निकाय के वार्ड अथवा मोहल्ले का नाम किसी असंसदीय नाम, अस्वीकृत पहचान या विशेष जातिसूचक शब्द पर आधारित है, तो संबंधित निकाय प्रस्ताव पारित कर नाम परिवर्तन की कार्रवाई करे। इसका मकसद सिर्फ प्रशासनिक सुधार नहीं, बल्कि समाज में सम्मानजनक और समावेशी पहचान को बढ़ावा देना था।

नाम केवल पहचान नहीं, समाज की मानसिकता भी हैं

सामाजिक विशेषज्ञों का मानना है कि किसी स्थान का नाम सिर्फ नक्शे पर लिखा हुआ शब्द नहीं होता। नाम समाज की सोच और उस समाज की ऐतिहासिक मानसिकता को भी दशार्ते हैं। जब किसी मोहल्ले या वार्ड की पहचान जाति से जुड़ जाती है, तो वहां रहने वाले लोगों की सामाजिक पहचान भी उसी नजरिए से की जाने लगती है। कई बार यह पहचान नई पीढ़ी तक भेदभाव और हीनभावना का बोझ पहुंचाती रहती है। इसीलिए आधुनिक लोकतांत्रिक समाज में सार्वजनिक स्थानों की पहचान ऐसी होनी चाहिए, जो सम्मान, समानता और साझा नागरिकता का संदेश दे।

देशभर में हो सकती है नई बहस

फारूक अहमद का यह पत्र उत्तर प्रदेश तक सीमित नहीं माना जा रहा। देश के कई राज्यों में गांवों, बस्तियों, मोहल्लों और वार्डों के नाम ऐतिहासिक रूप से जाति, पेशे या सामाजिक वर्गों के आधार पर रखे गए हैं।

ऐसे में सवाल यह है कि क्या राज्य सरकारों और स्थानीय निकायों को अब सार्वजनिक स्थानों के नामों की व्यापक समीक्षा करनी चाहिए

क्या ऐसे नाम, जो किसी समुदाय को अलग पहचान देकर सामाजिक दूरी पैदा करते हैं, उन्हें बदलकर शिक्षा, स्वतंत्रता सेनानियों, महापुरुषों, स्थानीय इतिहास, प्रकृति या राष्ट्रीय एकता से जुड़े नाम दिए जाने चाहिए

यह एक ऐसा मुद्दा है जिस पर राष्ट्रीय स्तर पर गंभीर विचार-विमर्श की जरूरत महसूस की जा रही है।

'नाम बदलना नहीं, मानसिकता बदलने की शुरूआत'

फारूक अहमद का कहना है कि उनका उद्देश्य किसी इतिहास को मिटाना नहीं, बल्कि सार्वजनिक जीवन से ऐसी पहचान को समाप्त करना है, जो आज के संवैधानिक और बराबरी वाले समाज के अनुकूल नहीं है। उनका मानना है कि संविधान सभी नागरिकों को समान सम्मान देता है। ऐसे में किसी व्यक्ति की पहचान उसके जन्म या जाति से जोड़कर सार्वजनिक स्थानों के नाम रखना समय के साथ बदले जाने की जरूरत है। उन्होंने उत्तर प्रदेश सरकार से मांग की है कि 7 मई 2022 के शासनादेश का पूरे प्रदेश में प्रभावी और समयबद्ध पालन सुनिश्चित कराया जाए।

एक प्रदेश से उठी मांग, राष्ट्रीय विमर्श की जरूरत

बांगरमऊ के एक वार्ड से शुरू हुआ नाम परिवर्तन का मामला अब एक बड़े सामाजिक सवाल का रूप ले सकता है। भारत तेजी से डिजिटल, आधुनिक और विकसित राष्ट्र बनने की तरफ बढ़ रहा है। ऐसे में शहरों और कस्बों की पहचान भी आधुनिक संवैधानिक मूल्यों के अनुरूप होनी चाहिए। जाति के आधार पर पहचान नहीं, नागरिकता के आधार पर सम्मान, यही नए भारत की जरूरत है। अब देखना यह होगा कि उत्तर प्रदेश सरकार इस मांग पर क्या कदम उठाती है और क्या यह पहल भविष्य में देशभर के नगर निकायों में जातिसूचक नामों की समीक्षा के लिए एक नई राष्ट्रीय बहस का रास्ता तैयार करती है।

– विशेष रिपोर्ट

सीजेपी के 'स्कूल ठीक करो' अभियान को लगा सुप्रीम कोर्ट का झटका

प्रवेश पर रोक लगाने से किया इनकार, स्कूल में घुसने से पहले लेनी ही होगी सभी बाहरी व्यक्तियों को इजाजत

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

जनहित याचिका को किया खारिज

कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) के 'स्कूल ठीक करो' अभियान के बीच सुप्रीम कोर्ट ने बड़ा झटका दिया है। देश की सर्वोच्च अदालत ने राजस्थान और उत्तर प्रदेश के सरकारी स्कूलों में बाहरी व्यक्तियों, पत्रकारों, यूट्यूबरों, सोशल मीडिया यूजर्स और सिविल सोसाइटी के प्रतिनिधियों के प्रवेश पर लगी रोक को हटाने से इनकार कर दिया है। स्कूलों में फोटोग्राफी, वीडियोग्राफी, इंटरव्यू और लाइव स्ट्रीमिंग पर प्रतिबंध लगा रहेगा। 2 राज्यों में प्रतिबंधों को चुनौती देने वाली याचिका पर सुनवाई करने से सुप्रीम कोर्ट ने इनकार कर दिया है।

रिट याचिका पर नहीं किया विचार

न्यायमूर्ति पीएस नरसिम्हा और न्यायमूर्ति आलोक अराधे की पीठ ने प्रिया मिश्रा द्वारा दायर याचिका पर सुनवाई करते हुए कहा कि हम भारत के संविधान के अनुच्छेद 32 के तहत दायर इस रिट याचिका पर विचार करने के इच्छुक नहीं हैं। यह याचिका कॉकरोच जनता पार्टी द्वारा चलाए जा रहे 'स्कूल ठीक करो' अभियान को देखते हुए महत्वपूर्ण मानी जा रही थी। याचिका में मुख्य रूप से दो राज्यों के आदेशों को चुनौती दी गई थी।

याचिकाकर्ता की दलीलें

याचिकाकर्ता ने तर्क दिया कि ये प्रतिबंध 'शिक्षा का अधिकार' का उल्लंघन करते हैं। बच्चों की पहचान, सुरक्षा और गोपनीयता की रक्षा करना राज्य का कर्तव्य है, लेकिन बच्चों की तस्वीरें लेने और स्कूल की भौतिक स्थिति को रिकॉर्ड करने के बीच स्पष्ट अंतर होना चाहिए। ऐसे प्रतिबंधों को रद्द किया जाए और किसी भी नियम को कसौटी पर परखा जाना चाहिए।

उत्तर प्रदेश और राजस्थान में क्या आदेश?

राजस्थान में माध्यमिक शिक्षा निदेशक द्वारा 16 अगस्त को जारी एक आदेश में सरकारी स्कूलों के परिसर में प्रवेश करने से पहले पूर्व अनुमति और फोटोग्राफी/वीडियोग्राफी के लिए लिखित अनुमति अनिवार्य की गई है।उत्तर प्रदेश में जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी, अयोध्या द्वारा 19 अगस्त को जारी आदेश में बाहरी लोगों और सोशल मीडिया से जुड़े व्यक्तियों के प्रवेश और वीडियो बनाने पर बिना सक्षम प्राधिकारी की अनुमति के रोक लगाई गई है।

बीसीआई और मनन मामले में दिया फैसला

बार काउंसिल के पास छात्रों के खिलाफ कार्रवाई करने का अधिकार ही नहीं होता

सुप्रीम कोर्ट ने बार काउंसिल ऑफ इंडिया की शक्तियों को लेकर बड़ी बात कही। शीर्ष अदालत ने कहा कि बीसीआई के पास अधिवक्ता के रूप में नामांकन से पहले कानून के छात्रों के आचरण की जांच करने का कोई अधिकार नहीं है। सीजेआई सूर्यकांत, जस्टिस जॉयमाल्य बागची और जस्टिस वी मोहना की पीठ ने यह टिप्पणी बीसीआई के फैसले को लेकर संबंधित याचिका पर सुनवाई करते हुए की, जिसे बाद में वापस ले लिया गया था।

शक्तियों की व्याख्या भी की

सीजेआई ने टिप्पणी की कि बीसीआई किसी विधि स्नातक पर शक्तियों का प्रयोग तभी कर सकता है जब वह वैधानिक निकाय में पंजीकृत हो चुका हो। कानून के छात्रों के आचरण के संबंध में, बार काउंसिल ऑफ इंडिया के पास न तो अधिकार क्षेत्र है और न ही वैधानिक अधिकारिता। यह पूरी तरह से शिक्षण संस्थान या विश्वविद्यालय के अधिकार क्षेत्र में आता है। इस बारे में कोई विवाद नहीं हो सकता। छात्र के स्नातक होने और वकील के रूप में पंजीकरण कराने के बाद, बार काउंसिल की भूमिका शुरू होती है।

खबर संक्षेप

शादीशुदा को लिव-इन के लिए नहीं मिलेगी सुरक्षा

प्रयागराज। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने लिव-इन रिलेशनशिप को लेकर अहम टिप्पणी करते हुए कहा है कि

यदि कोई व्यक्ति पहले से शादीशुदा है और उसका विवाह कानूनी रूप से समाप्त नहीं हुआ है, तो वह किसी तीसरे व्यक्ति के साथ लिव-इन रिलेशनशिप में रहते हुए अदालत से कानूनी संरक्षण की मांग नहीं कर सकता।

मणिपुर हिंसा में 306 की मौत, 49 लापता

इंफाल। मणिपुर के गृह मंत्री गोविंद दास कोंथौजम ने विधानसभा को बताया कि मई 2023 में भड़की

जातीय हिंसा में 306 लोग मारे गए और 49 अभी भी लापता हैं। मैतेई और कुकी में हिंसा 3 मई, 2023 को शुरू हुई थी। यह 'आदिवासी एकजुटता मार्च' के आयोजन के बाद शुरू हुई, जो 'अनुसूचित जनजाति' के दर्जा के लिए थी।

6.6 करोड़ के मादक पदार्थ जब्त, 4 अरेस्ट

गुवाहाटी। असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व सरमा ने गुरुवार को बताया कि राज्य के श्रीभूमि जिले में

6.6 करोड़ का मादक पदार्थ जब्त किया गया है। 4 संदिग्ध तस्करों को गिरफ्तार किया गया है। सरमा ने पुलिस की सराहना करते हुए कहा कि राज्य में मादक पदार्थों के खिलाफ अभियान पूरी ताकत के साथ जारी रहेगा।

धरतीपकड़ नहीं रहे 252 बार लड़े चुनाव

भागलपुर। ये दुनिया में अकेले शख्स थे। नाम था- 'धरतीपकड़'। मिलनसार और सबसे बड़ी बात

बहुत रोचक है। वे इकलौते शख्स थे, जो 252 बार चुनावी मैदान में रहे और हर बार हारे। राष्ट्रपति चुनावों में बार-बार नामांकन करने के कारण भी चर्चित हुए। जमानत जब्त कराने का भी रिकॉर्ड बनाया।

'जल प्रबंधन' पर कार्यशाला में 14 राज्यों के 25 मंत्री हुए शामिल

सभी ने पानी के बेहतर संरक्षण एवं प्रबंधन के उपाय सीखे, इसे और अधिक प्रभावी बनाएंगे

वरिष्ठ नेता विनय सहस्त्रबुद्धे ने मीडिया को दी इसकी जानकारी

आयोजन की मुख्य बातें

- यह 2 दिनी कार्यशाला भाजपा मुख्यालय और नेतृत्व के मार्गदर्शन में आयोजित की गई।
- उद्घाटन : इस बैठक/कार्यशाला की शुरुआत भाजपा के राष्ट्रीय नेतृत्व व संबंधित सत्रों के साथ हुई, जिसमें जल प्रबंधन और बेहतर समन्वय पर चर्चा की
- विषय : बैठक में सिंचाई, ग्रामीण पेयजल, स्वच्छता और जल से जुड़े विषयों पर विचार-विमर्श किया

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) द्वारा आयोजित जल प्रबंधन की कार्यशाला में 14 राज्यों ने अपने अपने अनुभव साझा किए और पानी के बेहतर संरक्षण एवं प्रबंधन के उपाय सीखे। भाजपा के वरिष्ठ नेता विनय सहस्त्रबुद्धे ने मीडिया को इस कार्यशाला के बारे में जानकारी देते हुए कहा कि यह कार्यशाला जल से जुड़े विभिन्न विभागों के कामकाज को अधिक प्रभावी बनाने और राज्यों में जल प्रबंधन को बेहतर करने के उद्देश्य से आयोजित की गई है। व सहस्त्रबुद्धे के मअनुसार इससे पहले केंद्र सरकार की ओर से सभी राज्यों के जलशक्ति मंत्रियों का सम्मेलन आयोजित किया गया था। उसके समापन के बाद भाजपा की यह कार्यशाला शुरू हुई। कार्यशाला का उद्घाटन पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन ने किया। इसके बाद आज विभिन्न विषयों पर सत्र आयोजित किए गए।

विशेषज्ञों ने स्थिति और चुनौतियों की जानकारी दी

उन्होंने बताया कि कार्यशाला में 14 राज्यों के 25 जलशक्ति मंत्रियों ने हिस्सा लिया। इनमें सिंचाई, ग्रामीण पेयजल, पेयजल एवं स्वच्छता और जन स्वास्थ्य इंजीनियरिंग जैसे जल से जुड़े विभागों को संभालने वाले मंत्री शामिल हैं। कार्यशाला के पहले सत्र में मंत्रालय के कामकाज को अधिक प्रभावी बनाने के तरीकों पर चर्चा हुई। इसके बाद विशेषज्ञों ने 'इंडिया वाटर स्टोरी' के तहत भारत में जल संसाधनों की मौजूदा स्थिति और उनसे जुड़ी चुनौतियों पर जानकारी दी।

बेहतर समन्वय और संबंधों पर भी की चर्चा

सहस्त्रबुद्धे ने बताया कि कार्यशाला में संगठन और सरकार के बीच बेहतर समन्वय और संबंधों को लेकर भी एक सत्र

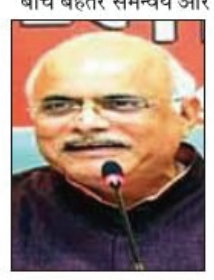

आयोजित किया गया। अन्य सत्रों में जल प्रबंधन से जुड़े अन्य महत्वपूर्ण विषयों पर भी चर्चा होगी। उन्होंने कहा कि इस कार्यशाला का उद्देश्य राज्यों में जल से जुड़े विभागों के कामकाज को बेहतर बनाने, अनुभव साझा करने और जल प्रबंधन को लेकर प्रभावी रणनीति तैयार करने में मदद करना है। कार्यशाला पूरी होने के बाद सभी मंत्री अपने-अपने राज्यों में नए अनुभवों को शासन में क्रियान्वित करेंगे।

प्रधानमंत्री ने अध्यक्षीय भाषण में कहा

टीम इंडिया की भावना को मजबूती दें राज्यों के बीच बेहतर सहयोग भी करें

प्रधानमंत्री ने पानी पर आधारित शिखर सम्मेलन के समापन सत्र की अध्यक्षता की। यह शिखर सम्मेलन टीम इंडिया की भावना को मजबूत करने, सहकारी संघवाद को गहरा करने और केंद्र तथा राज्यों के बीच बेहतर सहयोग से राष्ट्रीय प्राथमिकताओं के प्रति सामूहिक जिम्मेदारी की भावना को बढ़ावा देने प्रधानमंत्री की सोच के अनुरूप रहा।

समीक्षा के साथ निरंतर सीखने की प्रक्रिया जारी रखें

प्रधानमंत्री ने गहन चर्चा की सराहना की और इस बात पर जोर दिया कि शिखर सम्मेलन से निकले कार्यान्वयन योग्य और समय-सीमा वाले कार्य बिंदुओं की समीक्षा और सीखने की निरंतर प्रक्रिया जारी रहनी चाहिए। उन्होंने सुझाव दिया कि यह शिखर सम्मेलन केवल एक बार की गतिविधि बनकर नहीं रहनी चाहिए।

निकायों को जागरूकता पर जोर

प्रधानमंत्री ने शहरीकरण से जुड़ी चुनौतियों, जैसे आबादी का बढ़ना और भविष्य में पानी की जरूरतों के बारे में शहरी स्थानीय निकायों को जागरूक करने पर जोर दिया और उनके लिए भी ऐसे ही चिंतन शिविर आयोजित करने का सुझाव दिया। पानी बचाने तकनीकों को अपनाएं।

सीएम रेड्डी ने की कार्रवाई

'बेटी के बयान' पर वन मंत्री सुरेखा को कैबिनेट से हटाया

रेवंत ने यह कार्रवाई सुरेखा की बेटी कोंडा सुष्मिता की कथित टिप्पणियों को लेकर उठे विवाद के बीच की

एजेंसी ▶▶ हैदराबाद

तेलंगाना के मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी ने वन मंत्री कोंडा सुरेखा को मंत्रिमंडल से हटा दिया है। यह कार्रवाई सुरेखा की बेटी कोंडा सुष्मिता की कथित टिप्पणियों को लेकर उठे विवाद के बीच की गई है। इस मामले को लेकर सत्तारूढ़ कांग्रेस के विधायकों ने सुरेखा से माफी मांगने की मांग की थी। इसके बाद सुरेखा ने अपना पक्ष पार्टी के सामने रखा था। यह घटनाक्रम ऐसे समय में सामने आया है, जब राज्य कांग्रेस की अनुशासन समिति ने कुछ दिन पहले ही सुरेखा के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की सिफारिश की थी। सुरेखा के खिलाफ यह कार्रवाई दिल्ली में कांग्रेस आलाकमान के साथ बैठक के बाद की गई है। मामले को सुलझाने कांग्रेस ने सुरेखा को दिल्ली तलब किया था। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष, रेड्डी और उप मुख्यमंत्री दिल्ली गए थे।

राजस्थान में फिर मॉब लिंचिंग

आदिवासी महिला के बाल मूंडे कपड़े भी फाड़े और फिर पीटा

बांसवाड़ा। यहां इंसानियत को शर्मसार करने वाला मामला सामने आया है। यहां एक महिला के साथ महिलाओं की भीड़ ने मारपीट की। भीड़ ने

आदिवासी महिला का पहले सिर मुंडवाया फिर उसे चारों तरफ से घेर लिया। उसके कपड़े भी फाड़े। फिर लाठियों से उसकी पिटाई शुरू कर दी। इस घटना का वीडियो सोशल मीडिया में भी वायरल हो गया। इसके बाद पुलिस में शिकायत दर्ज कराई गई। घटना के दौरान आदिवासी महिला ने खुद को बचाने मदद भी मांगी लेकिन अन्य महिलाओं ने उसकी एक बात नहीं सुनी। कई महिलाएं और पुरूष इस घटना का वीडियो भी बनाते नजर आए। पुलिस के अनुसारवे पिटने वाली महिला के ससुराल पक्ष से जुड़े हुए हैं।

राम मंदिर ट्रस्ट में बदलाव

नए सीईओ जीतेंद्र जिम्मेदारी तय करने समेत करेंगे 5 काम

एजेंसी ▶▶ अयोध्या

श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के गठन के करीब छह साल बाद राम मंदिर की प्रशासनिक व्यवस्था में बड़ा बदलाव हुआ है। सीईओ के पद पर एयर मार्शल जीतेंद्र मिश्र की नियुक्ति का सफर सामान्य प्रशासनिक जरूरत से शुरू होकर चढ़ावे की चोरी के विवाद, एसआईटी जांच और व्यवस्था में खामियों की पड़ताल से गुजरते हुए यहां तक पहुंचा है। राम मंदिर के संचालन का पूरा मॉडल बदल जाएगा। अब तक ट्रस्ट पदाधिकारी, समितियां और अधिकारी मिलकर मंदिर की व्यवस्थाएं संभालते रहे हैं। अब नीति और क्रियान्वयन के बीच स्पष्ट विभाजन, विभागवार जवाबदेही, वित्तीय निगरानी, कर्मचारी प्रबंधन, श्रद्धालु सुविधाओं और परियोजनाओं की मॉनिटरिंग के लिए एक केंद्रीकृत कार्यकारी व्यवस्था बनने की संभावना है।

बिजली खंभे पर चढ़े विभाग के सीएमडी

कर्मियों की सुरक्षा से समझौता नहीं, मानकों की जांच भी की

एजेंसी ▶▶ हैदराबाद

तेलंगाना स्टेट पावर डेवलपमेंट कॉर्पोरेशन के चेयरमैन और एमडी जितेश वी. पाटिल ने गुरुवार सुबह मल्लाराम गांव में 'बस्ती बाटा' (फील्ड विजिट) प्रोग्राम के तहत सुरक्षा मानकों की जांच करने बिजली के खंभे पर चढ़े। मल्लाराम गांव (चेवेल्ला सेक्शन) में बस्ती बाटा प्रोग्राम के तहत पाटिल ने फ़ील्ड में विभाग के कर्मचारियों द्वारा अपनाए जा रहे सुरक्षा मानकों का व्यक्तिगत रूप से निरीक्षण किया। पावर लाइन के रख-रखाव और खंभे से जुड़े काम के दौरान कर्मचारियों को जिन सुरक्षा प्रोटोकॉल का पालन करना होता है, उनकी व्यक्तिगत रूप से जांच करने के उद्देश्य से सीएमडी ने सुरक्षा उपकरणों के इस्तेमाल, काम करने के तरीकों और सुरक्षा सावधानियों के पालन की समीक्षा करने के लिए बिजली के खंभे पर चढ़ाई की।

सीएसएमटी-सावंतवाड़ी में दैनिक एक्सप्रेस के उद्घाटन पर बोले वैष्णव

कार्यक्रम को वीसी से किया संबोधित

नए पूर्व-पश्चिम रेल गलियारे से महाराष्ट्र के लोगों को होगा लाभ

एजेंसी ▶▶ मुंबई

रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने गुरुवार को कहा कि बजट में घोषित नया पूर्व-पश्चिम रेल गलियारा महाराष्ट्र के कई ऐसे क्षेत्रों को जोड़ेगा, जो अभी रेल मार्ग से नहीं जुड़े हुए हैं। इससे राज्य के औद्योगिक और ग्रामीण विकास को गति मिलेगी।

वैष्णव ने नई सीएसएमटी-सावंतवाड़ी रोड दैनिक एक्सप्रेस के उद्घाटन कार्यक्रम को वीडियो कॉन्फ्रेंस से संबोधित करते हुए कहा कि प्रस्तावित सूरत-दनकुनी पूर्व-पश्चिम गलियारे में माल और यात्री सेवाओं के लिए अलग व्यवस्था होगी। इससे पश्चिमी महाराष्ट्र, नासिक और अन्य क्षेत्रों को बेहतर रेल संपर्क मिलेगा। सीएम देवेंद्र फडणवीस ने हाल में पूर्वी और पश्चिमी समर्पित माल गलियारों को जोड़ने तथा इनके साथ नए औद्योगिक विकास क्षेत्र विकसित करने का सुझाव दिया था।

माल गलियारों का काम लगभग पूरा हो गया

वैष्णव ने कहा कि पूर्वी और पश्चिमी समर्पित माल गलियारों का काम पूरा हो चुका है। इससे जवाहरलाल नेहरू बंदरगाह से देश के उत्तरी, पूर्वी एवं मध्य हिस्सों तक माल की आवाजाही सुगम होगी और महाराष्ट्र के औद्योगिक विकास को बढ़ावा मिलेगा। उपनगरीय रेल नेटवर्क पर उन्होंने कहा कि शहर में फिलहाल करीब 3,200 लोकल ट्रेन सेवाएं चल रही हैं। इन सेवाओं में करीब 10फीसदी की वृद्धि से यात्रियों की आवाजाही बेहतर होगी।

तस्करी मामले में केरल,तमिलनाडु, कर्नाटक और तेलंगाना में छापे

प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने की कार्रवाई

मादक पदार्थ तस्करी से जुड़े धन शोधन मामले में 4 राज्यों में छापे

एजेंसी ▶▶ चेन्नई

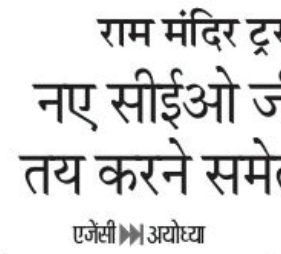

प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने गुरुवार को दक्षिण भारत के चार राज्यों तमिलनाडु, कर्नाटक, तेलंगाना और केरल में एक साथ कई स्थानों पर छापे मारे। अधिकारियों ने बताया कि यह कार्रवाई सीमा पार से जुड़े मादक पदार्थों की तस्करी के कई मामलों से संबंधित धन शोधन जांच के तहत की गई। धन शोधन निवारण अधिनियम के तहत की जा रही जांच के सिलसिले में 30 ठिकानों पर तलाशी अभियान चलाया गया। इनमें तमिलनाडु के चेन्नई, तिरुनेलवेली, नागपट्टिनम, वेलंकन्नी और रामनाथपुरम, कर्नाटक के कोलार, मालूर (कोलार जिला) और होसकोटे (बेंगलुरु उत्तर जिला), तेलंगाना के सेरिलिंगमपल्ली, नानकरामगुडा (हैदराबाद) और रंगारेड्डी जिले तथा केरल के कोझिकोड, कन्नूर, मलप्पुरम और त्रिशूर स्थित परिसर शामिल हैं।

बैंक ऋण धोखाधड़ी में कोलकाता में भी छापा

कोलकाता। ईडी ने 290 करोड़ के कथित बैंक ऋण धोखाधड़ी से जुड़े धन शोधन मामले की जांच के तहत कोलकाता में कई जगहों पर छापेमारी की। अधिकारियों ने बताया कि यह जांच 'कोहिनूर पॉवर' के खिलाफ हो रही है। कंपनी ने झारखंड में 66 मेगावॉट का बिजली संयंत्र लगाने के लिए बैंकों से कर्ज लिया था, लेकिन उस धन को समूह की अन्य कंपनियों में हस्तांतरित कर दिया गया या उन्हें निजी इस्तेमाल में खर्च किया गया।

केंद्र सरकार ने उच्चतम न्यायालय में दिया जवाब

सीबीएसई की त्रिभाषा नीति के सुझावों पर अमल कर रहे

अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल भाटी ने कहा

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

बच्चों पर दबाव नहीं पड़ना चाहिएः कोर्ट

शीर्ष अदालत ने 20 अगस्त को कहा था कि बच्चों पर दबाव नहीं पड़ना चाहिए। शीर्ष अदालत ने सीबीएसई की नौवीं कक्षा के विद्यार्थियों के लिए त्रि-भाषा नीति से जुड़ी समस्याओं का समाधान खोजने पर बल दिया था।उच्चतम न्यायालय ने कहा था कि नीति लाने में कोई बुराई नहीं है, लेकिन याचिकाकर्ताओं को सिर्फ इस बात की चिंता थी कि इसे किस तरह से लागू किया जा रहा है।

इसे लागू करने में कोई गलत नहीं

खंडपीठ ने कहा था कि आप कुछ समस्याओं पर फिर से विचार कर सकते हैं। देर-सबेर इसे लागू करना ही होगा। इसमें कुछ भी गलत नहीं है। लेकिन इसे कैसे बेहतर ढंग से लागू किया जाए ताकि जो भी रुकावटें या बाधाएं आ रही हैं, उनका कोई समाधान निकाला जा सके।

अदालत ने बोर्ड से मांगा था जवाब

शीर्ष अदालत 27 मई को इस नीति को चुनौती देने वाली याचिका पर विचार करने के लिए सहमत हो गई थी तथा उसने केंद्र, सीबीएसई एवं राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद (एनसीईआरटी) को नोटिस जारी कर उनसे जवाब मांगा था। सीबीएसई के एक परिपत्र के अनुसार एक जुलाई से 9वीं कक्षा के विद्यार्थियों के लिए त्रिभाषा की पढ़ाई अनिवार्य कर दी गई है, जिनमें कम से कम 2भारतीय भाषाएं शामिल हों।

रायगढ़ की बदलेगी तस्वीर, विकास परियोजनाओं का वित्त मंत्री चौधरी ने किया मैराथन निरीक्षण

रिंग रोड, पुल, मरीन ड्राइव, ऑक्सीजोन और आधुनिक अधोसंरचना परियोजनाओं को तेजी से पूरा करने के निर्देश

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

रायगढ़। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के विकसित भारत के संकल्प और मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में छत्तीसगढ़ में अधोसंरचना विकास को नई गति मिल रही है। इसी क्रम में रायगढ़ को आधुनिक और सुव्यवस्थित शहर के रूप में विकसित करने की दिशा में वित्त मंत्री ओ.पी.चौधरी ने शुक्रवार को शहर की प्रमुख विकास परियोजनाओं का मैराथन निरीक्षण किया। उन्होंने ऑक्सीजोन, पुल, केलो रिवर फ्रंट, मरीन ड्राइव, नालंदा परिसर, खेल एवं सार्वजनिक सुविधाओं से जुड़ी परियोजनाओं का जायजा लेते हुए गुणवत्ता और समय-सीमा के साथ कार्य पूर्ण करने के निर्देश दिए। वित्त मंत्री चौधरी ने दूध डेयरी ऑक्सीजोन से निरीक्षण की शुरूआत की। इसके बाद उन्होंने गोवर्धनपुर में केलो नदी पर निमार्णाधीन पुल, खरार्घाट स्थित केलो रिवर फ्रंट, नालंदा परिसर, एसईसीएल रोड मरीन ड्राइव, कयाघाट पुल, मिनी स्टेडियम स्थित स्केटिंग रिंग, कौहाकुंडा हाउसिंग बोर्ड कॉलोनी, स्टेडियम और एफसीआई ऑक्सीजोन का निरीक्षण किया। वित्त मंत्री चौधरी ने कहा कि रायगढ़ के विकास के लिए जनप्रतिनिधि, प्रशासनिक

अधिकारी, इंजीनियर और निर्माण एजेंसियां मिलकर काम कर रही हैं। उद्देश्य केवल निर्माण कार्य कराना नहीं, बल्कि शहर की अधोसंरचना को मजबूत कर लोगों के जीवन में वास्तविक बदलाव लाना है। उन्होंने कहा कि प्रत्येक परियोजना की गहन निगरानी की जा रही है, ताकि विकास कार्य तेजी और उच्च गुणवत्ता के साथ पूरे हों। वित्त मंत्री चौधरी ने कहा कि औद्योगिक विकास के अनुरूप रायगढ़ में जिस स्तर की अधोसंरचना विकसित होनी चाहिए थी, वह लंबे समय तक अपेक्षित गति से नहीं बन पाई। इसके कारण शहर को यातायात, भारी वाहनों, दुर्घटनाओं, धूल और प्रदूषण जैसी समस्याओं का सामना करना पड़ा। अब इन चुनौतियों के स्थायी समाधान के लिए सुनियोजित तरीके से बड़े अधोसंरचनात्मक कार्यों को आगे बढ़ाया जा रहा है। उन्होंने रिंग रोड को रायगढ़ के भविष्य के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण परियोजना बताते हुए कहा कि भूमि अधिग्रहण की प्रक्रिया तेजी से आगे बढ़ रही है। घरघोड़ा रोड से झारसुगुड़ा रोड को जोड़ने के लिए प्रथम चरण में कार्य किया जा रहा है, जिस पर 400 करोड़ रुपए से अधिक की राशि खर्च होने की संभावना है। भविष्य में रायगढ़ से घरघोड़ा तक सड़क को फोरलेन करने की दिशा में भी प्रयास किए जाएंगे। आने वाले एक-दो वर्षों में रायगढ़ के विकास की तस्वीर जमीन पर स्पष्ट दिखाई देगी। हमारा प्रयास है कि शहर को बेहतर सड़क, पुल, हरित क्षेत्र, आधुनिक सार्वजनिक सुविधाएं और मजबूत अधोसंरचना मिले, जिससे नागरिकों के जीवन में व्यापक बदलाव आए। निरीक्षण के दौरान महापौर जीवर्धन चौहान, सभापति डिग्रीलाल साहू, कलेक्टर मयंक चतुर्वेदी, आयुक्त नगर निगम बृजेश सिंह क्षत्रिय, स्थानीय जनप्रतिनिधि, गणमान्य नागरिक एवं विभागीय अधिकारी, इंजीनियर तथा संबंधित निर्माण एजेंसियों के प्रतिनिधि उपस्थित रहे।

कैच द रेन अभियान में छत्तीसगढ़ देश में नंबर-1 - सीएम

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

रायपुर। तीन दिवसीय दिल्ली दौरे से लौटे मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने कहा कि जल संरक्षण के क्षेत्र में छत्तीसगढ़ ने देश में पहला स्थान हासिल किया है। यह प्रदेश के लिए गौरव की बात है। मुख्यमंत्री ने बताया कि दिल्ली में वे जल शक्ति मंत्रालय द्वारा आयोजित जल सुरक्षा शिखर सम्मेलन में शामिल हुए, जहां प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की मौजूदगी में छत्तीसगढ़ के ह्यकैच द रेनह्ल और ह्यजल संचय जनभागीदारीह्ल मॉडल को राष्ट्रीय स्तर पर प्रस्तुत किया गया। उन्होंने कहा कि भाजपा शासित प्रदेशों के जल संसाधन मंत्रियों की कार्यशाला में भी शामिल हुए, जहां प्रधानमंत्री का मार्गदर्शन मिला और भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन से मुलाकात हुई। कार्यशाला में छत्तीसगढ़ में जल संचय और संरक्षण पर चर्चा हुई। सीएम साय ने बताया कि कैच द रेन और जल संचय जनभागीदारी अभियान के पहले और दूसरे चरण में छत्तीसगढ़ देश में दूसरे स्थान पर रहा था। इस वर्ष तीसरे चरण में राज्य ने पहला स्थान हासिल किया है। यह उपलब्धि प्रदेशवासियों के सहयोग और सामूहिक प्रयासों का परिणाम है। मुख्यमंत्री ने कहा कि जल संरक्षण केवल सरकार की जिम्मेदारी नहीं है, इसमें समाज की भागीदारी जरूरी है।

महिला आयोग अदालत की तरह बाध्यकारी आदेश जारी नहीं कर सकता : हाईकोर्ट, गेल के खिलाफ जारी 3 आदेश रद्द

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

बिलासपुर। छत्तीसगढ़ हाईकोर्ट ने राज्य महिला आयोग की शक्तियों को लेकर अहम फैसला सुनाया है। कोर्ट ने स्पष्ट किया है कि महिला आयोग की भूमिका केवल सिफारिश और सुझाव तक सीमित है, वह अदालत की तरह किसी पक्ष के अधिकार या दायित्व तय करने वाला बाध्यकारी आदेश जारी नहीं कर सकता। जस्टिस अमितेंद्र किशोर प्रसाद की सिंगल बेंच ने गेल (गैस अथॉरिटी ऑफ इंडिया लिमिटेड) की रिट याचिका स्वीकार करते हुए राज्य महिला आयोग द्वारा जारी 19 जून 2025, 06 जुलाई 2026 और 08 जुलाई 2026 के तीन आदेशों को अधिकार क्षेत्र से बाहर बताते हुए रद्द कर दिया।

क्या था मामला?

मामला गैस पाइपलाइन बिछाने से जुड़ा था। गेल की ओर से अधिवक्ता संदीप दुबे ने तर्क दिया कि भूमि उपयोग अधिकार का अधिग्रहण कानूनी प्रक्रिया के तहत किया जा रहा था और सक्षम प्राधिकारी द्वारा मुआवजा भी तय किया जा चुका था। इसके बावजूद महिला आयोग ने मुआवजा बढ़ाने, क्षतिपूर्ति देने, एफआईआर की चेतावनी और पाइपलाइन निर्माण पर रोक का निर्देश जारी कर दिया था। गेल ने कहा कि आयोग के पास इस तरह के न्यायिक प्रकृति के बाध्यकारी आदेश जारी करने की वैधानिक शक्ति नहीं है।

छत्तीसगढ़ की शिक्षिका श्रीमती सुनीता यादव को मिलेगा राष्ट्रीय शिक्षक सम्मान

नवाचार और संवेदनशीलता से प्राथमिक शिक्षा को दी नई दिशा

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

रायपुर। छत्तीसगढ़ के लिए गौरव की बात है कि राष्ट्रीय शिक्षक सम्मान-2026 के लिए सारंगढ़-बिलाईगढ़ जिले की शिक्षिका श्रीमती सुनीता यादव का चयन हुआ है। वे प्रदेश से इस प्रतिष्ठित सम्मान के लिए चयनित एकमात्र शिक्षिका हैं। शिक्षक दिवस के अवसर पर नई दिल्ली में उन्हें प्रशस्ति पत्र, शाल और चेक प्रदान कर सम्मानित किया जाएगा। बरमकेला विकासखंड के शासकीय प्राथमिक विद्यालय

खिचरी में पदस्थ श्रीमती सुनीता यादव ने शिक्षा को नवाचार, साहित्य और तकनीक से जोड़कर बच्चों के सीखने को सरल और रोचक बनाया है। वे कक्षा के अंतिम पायदान पर रहने वाले बच्चों को मुख्यधारा से जोड़ने के लिए विशेष प्रयास करती हैं। बच्चों के पोषण और स्वास्थ्य के लिए वे अपने खर्च से नियमित दूध उपलब्ध कराने के साथ न्योता भोजन के लिए भी प्रेरित करती हैं। श्रीमती सुनीता दीक्षा एप, स्टोरीवीवर, ऑडियो बुक, पॉडकास्ट और लघु फिल्मों के माध्यम से बच्चों को पढ़ाती हैं। बच्चों और स्वयं के अभिनय वाली लघु फिल्मों के जरिए विषयों को सहज ढंग से समझाने का उनका प्रयास विशेष पहचान बना चुका है। राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 के परिप्रेक्ष्य में प्राथमिक विद्यालयों में आए बदलाव पर उन्होंने शोध पत्र भी तैयार किया है। बिलासपुर जिले में आदिवासी बच्चों के लिए निशुल्क समर कैंप में अध्यापन भी किया है। शिक्षा के साथ साहित्य और समाजसेवा में भी सक्रिय श्रीमती सुनीता यादव को वर्ष 2024 में राज्य शिक्षक सम्मान तथा वर्ष 2025 में पंडित मुकुटधर पांडे स्मृति अलंकरण से सम्मानित किया जा चुका है। प्रकृति संरक्षण के लिए सीड बॉल निर्माण और सैनिकों के लिए राखी बनाने जैसे सामाजिक कार्यों में भी वे सहभागिता निभाती हैं। श्रीमती सुनीता यादव की यह उपलब्धि उनके समर्पण, नवाचार और संवेदनशील शिक्षण का परिणाम है, जिसने न केवल बच्चों की शिक्षा को नई दिशा दी, बल्कि छत्तीसगढ़ को राष्ट्रीय स्तर पर गौरवान्वित किया है।

मृत भालू के नाखून काटकर ले जाने वाले दो आरोपी गिरफ्तार

डॉग स्क्वॉड की मदद से हुई पतासाजी, चार नाखून बरामद, वन्यजीव संरक्षण अधिनियम के तहत कार्रवाई

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

रायपुर। वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्री केदार कश्यप के निदेर्शानुसार छत्तीसगढ़ में वन्यजीवों की सुरक्षा और अवैध शिकार पर रोक लगाने के लिए वन विभाग द्वारा लगातार कार्रवाई की जा रही है। गौरेला-पेड्रा-मरवाही जिले के वन परिक्षेत्र मरवाही में मृत भालू के नाखून काटकर ले जाने के मामले में वन विभाग ने त्वरित कार्रवाई करते हुए दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। आरोपियों के कब्जे से भालू के चार नाखून बरामद किए गए हैं।

ऐसे हुआ खुलासा

वन विभाग को 3 सितंबर को मरवाही वृत्त के उसाढ़ परिसर स्थित कक्ष क्रमांक 2035 में भालू के मृत होने की सूचना मिली थी। सूचना मिलते ही टीम तत्काल मौके पर पहुंची। निरीक्षण के दौरान पाया गया कि मृत भालू के पिछले दाएं पंजे के चार नाखून गायब थे। घटना की गंभीरता को देखते हुए वन विभाग द्वारा डॉग स्क्वॉड टीम की सहायता से सघन सर्च एवं पतासाजी अभियान चलाया गया।

दो आरोपी पकड़े गए

अभियान के दौरान वन विभाग की टीम ने दो आरोपियों - सुदर्शन यादव उम्र 54 वर्ष और सूरज साहिस उम्र 20 वर्ष, दोनों निवासी ग्राम बरौर को पकड़ा। दोनों के कब्जे से मृत भालू के चार नाखून बरामद कर विधिवत जप्त कर लिया गया है। आरोपियों के विरुद्ध वन्यजीव संरक्षण अधिनियम 1972 के प्रावधानों के तहत वैधानिक कार्रवाई कर उन्हें न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत किया जा रहा है।

फेफड़ों के संक्रमण से हुई मौत

सर्च एवं वैधानिक प्रक्रिया पूर्ण करने के बाद पशु चिकित्सकों की टीम की मौजूदगी में मृत भालू का पोस्टमार्टम कराया गया। पशु चिकित्सकों ने प्रथम दृष्टया भालू की मृत्यु का कारण तीव्र फेफड़ों का संक्रमण बताया है। पोस्टमार्टम के बाद मृत भालू का विधिवत दाह संस्कार किया गया। इस दौरान वनमंडलाधिकारी मरवाही श्री कुमार निशांत सहित वन विभाग के अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित रहे।

आम नागरिकों से अपील

वन विभाग ने आम नागरिकों से अपील की है कि किसी भी वन्यजीव के मृत पाए जाने पर उसके शव या अंगों के साथ छेड़छाड़ न करें और तत्काल निकटतम वन विभाग कार्यालय को सूचना दें। इसी प्रकार वन विभाग ने स्थानीय नागरिकों से अपील की है कि वन अपराध, अवैध शिकार या वन्यजीवों से संबंधित किसी भी संदिग्ध गतिविधि की जानकारी तत्काल निकटतम वन विभाग कार्यालय को दें।

धनबाद मंडल में चलाया गया मेगा टिकट चेकिंग अभियान

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

धनबाद। मंडल में बड़े पैमाना पर टिकट चेकिंग अभियान चलाया जा रहा हैं इसी क्रम में आज दिनांक 03.09.26 को धनबाद मंडल में मेगा टिकट चेकिंग अभियान चलाया गयो यह टिकट चेकिंग अभियान सुनियोजित कार्यक्रम के तहत दिन-रात चलाया गयो इस जांच अभियान के परिणामस्वरूप 713 यात्रियों को पकड़ा गया जिसमें बिना टिकट यात्रा कर रहे यात्री, बिना उचित प्राधिकार के यात्रा करने वाले यात्री, बिना बुक किये गए सामान के साथ यात्रा कर रहे यात्रीगण शामिल थें इस दौरान उनसे 06,16,095 रूपए जुमार्ने के रूप में राशि प्राप्त की गई तथा पकड़ें गए यात्रियों को उचित टिकट के साथ यात्रा करने की कड़ी हिदायत दी गईं चेकिंग टीमों द्वारा स्टेशनों एवं विभिन्न मेल/एक्स्प्रेस ट्रेनों में भी चेकिंग किया गयो धनबाद मंडल द्वारा निरंतर टिकट जांच किया जा रहा है तथा भविष्य में भी यह जारी रहेगो टिकट जांच अभियान के दौरान स्टेशनों के अनारक्षित टिकट काउंटर पर यात्रियों की काफी भीड़ देखी गई

श्रीकृष्ण जन्माष्टमी पर सर्व यादव समाज की भव्य शोभायात्रा में शामिल हुए कैबिनेट मंत्री देवांगन

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

रायपुर। डॉ. भीमराव ओपन थिएटर खेल मैदान, घंटाघर कोरबा में सर्व यादव समाज द्वारा श्रीकृष्ण जन्माष्टमी के पावन अवसर पर आयोजित भव्य शोभायात्रा एवं रैली में मुख्य अतिथि के तौर पर कैबिनेट मंत्री लखन लाल देवांगन एवं महापौर श्रीमती संजू देवी राजपूत शामिल हुए। उन्होंने भगवान श्रीकृष्ण की पूजा-अर्चना कर समस्त यादव समाज को जन्माष्टमी की हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दीं।

यादव समाज का स्नेह सदैव प्राप्त होता रहा है: मंत्री देवांगन

मंत्री देवांगन ने कहा कि यादव समाज का स्नेह और आशीर्वाद मुझे सदैव प्राप्त होता रहा है। भगवान श्रीकृष्ण के आशीर्वाद का ही फल है कि आज नगर एवं जिले में तेज गति से विकास कार्य किए जा रहे हैं। समाज की मांग के अनुरूप विकास कार्यों को तेजी से धरातल पर उतारा जा रहा है। उन्होंने कहा कि भगवान श्रीकृष्ण के आदर्शों से प्रेरणा लेकर समाज के सर्वांगीण विकास के लिए मिलकर कार्य करना हमारा संकल्प है।

यादव समाज के लिए 75 लाख के विकास कार्य

मंत्री देवांगन ने बताया कि यादव समाज की मांगों को प्राथमिकता देते हुए विभिन्न विकास कार्य कराए जा रहे हैं, जिनमें बालको शांति नगर स्थित

राधाकृष्ण मंदिर के पास भवन के ऊपरी तल का निर्माण, जमनीपाली में सामुदायिक भवन निर्माण, शारदा विहार अमरैय्यापारा राधाकृष्ण मंदिर के ऊपरी तल का निर्माण विस्तार कार्य 10-10 लाख रुपये का पूर्ण हो चुका है। इसी प्रकार वैशाली नगर मिनी स्टेडियम के पास मंच निर्माण एवं कक्ष निर्माण 10 लाख रुपये प्रगतिरत है। लाटा मेन रोड में सामुदायिक भवन निर्माण के लिए 20 लाख रुपये की स्वीकृति मानिकपुर यादव मोहल्ले में भवन निर्माण के लिए - 15 लाख रुपये की स्वीकृति शीघ्र की जाएगी।

महापौर ने सुनाया भजन

इस अवसर पर कोरबा महापौर श्रीमती संजू देवी राजपूत ने जन्माष्टमी की बधाई देते हुए भगवान को समर्पित भजन भी सुनाया। कार्यक्रम में सर्व यादव समाज के प्रदेश अध्यक्ष रमेश यदु, संरक्षक कमलेश यादव, प्रदेश महामंत्री संतोष यादव, पार्षद नरेंद्र देवांगन, महिला प्रकोष्ठ की संरक्षक श्रीमती हारबाई यादव, प्रफुल्ल तिवारी, शोभायात्रा के संयोजक रंजू यादव सहित बड़ी संख्या में समाज के लोग उपस्थित रहे।

वर्ल्ड ऑडियो बुक टीम छत्तीसगढ़ में पूनम का भी योगदान, राज्यपाल ने किया सम्मानित

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

कवर्धा। शिक्षा को समावेशी और तकनीक-सम्मत बनाने के लिए कार्यरत वर्ल्ड ऑडियो बुक टीम छत्तीसगढ़ की उपलब्धि को गोल्डन बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड्स में दर्ज किया गया है। टीम दृष्टिबाधित एवं सामान्य विद्यार्थियों के लिए 11 हजार से अधिक ऑडियो बुक तैयार कर रही है। इस अभियान की शुरूआत 5 अक्टूबर 2024 को राष्ट्रपति पुरस्कृत शिक्षिका के. शारदा के नेतृत्व में हुई थी। प्रदेश के 30 शिक्षक-शिक्षिकाएं अपने नियमित दायित्वों के साथ इस अभियान में जुटे हैं।

कवर्धा की पूनम का अतुलनीय योगदान

इस अभियान में कबीरधाम जिले के शासकीय हाई स्कूल भालूचुवा, बोड़ला की विज्ञान व्याख्याता श्रीमती पूनम तिवारी ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। उन्होंने सीजीबीएसई और सीबीएसई की कक्षा 9वीं-10वीं की विज्ञान पुस्तकों के लिए 200 से अधिक ऑडियो कंटेंट और वीडियो लेसन तैयार किए हैं। इससे विद्यार्थियों को सुनकर सीखने में सुविधा मिल रही है।

राज्यपाल ने किया सम्मानित

इस समर्पित कार्य के लिए राज्यपाल रामेन डेका ने 3 सितंबर 2026 को लोकभवन रायपुर में आयोजित समारोह में पूनम तिवारी को प्रशस्ति-पत्र देकर सम्मानित किया। समारोह में गोल्डन बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड्स की छत्तीसगढ़ हेड डॉ. सोनल राजेश शर्मा भी उपस्थित थीं। श्रीमती तिवारी विज्ञान को प्रयोगों और गतिविधियों के माध्यम से रोचक बनाती हैं। मंच संचालन और कला में भी उनकी पहचान है। वे यूट्यूब के माध्यम से भी शैक्षणिक वीडियो साझा करती हैं। वर्ल्ड ऑडियो बुक चैनल पर 107 से अधिक प्लेलिस्ट हैं, जिन्हें 8 लाख से अधिक बार देखा जा चुका है। टीम का लक्ष्य जल्द 11 हजार ऑडियो बुक का लक्ष्य पूरा करना है।

महापौर मीनल चौबे के खिलाफ अभद्र भाषा का आरोप, आरोपी गिरफ्तार

रायपुर, छ.ग. फ्रंटलाइन। राजधानी रायपुर में महापौर मीनल चौबे के खिलाफ सोशल मीडिया वीडियो में कथित तौर पर अभद्र भाषा का इस्तेमाल करने के मामले में पुलिस ने आरोपी विनय माहेश्वरी को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपी को देवपुरी इलाके से पकड़ा है।

मामला बारिश के बाद शहर में जलभराव और सड़कों की स्थिति को लेकर बनाए गए एक सोशल मीडिया वीडियो से जुड़ा है। वीडियो में शहर की व्यवस्थाओं पर सवाल उठाए गए थे। इसी दौरान महापौर मीनल चौबे के खिलाफ कथित तौर पर आपत्तिजनक और अभद्र भाषा का इस्तेमाल किए जाने का आरोप लगा।

वीडियो वायरल होने के बाद भाजपा पार्षद दल ने आपत्ति जताते हुए सिविल लाइन थाने में शिकायत दर्ज कराई थी। शिकायत के आधार पर पुलिस ने एफआईआर दर्ज कर जांच शुरू की। जांच के दौरान पुलिस ने वीडियो से जुड़े डिजिटल साक्ष्यों की पड़ताल की। तकनीकी जांच के आधार पर पुलिस को विनय माहेश्वरी के बारे में जानकारी मिली, जिसके बाद टीम ने देवपुरी क्षेत्र में दबिश देकर उसे गिरफ्तार कर लिया।

पुलिस आरोपी से पूछताछ कर रही है। साथ ही यह भी जांच की जा रही है कि वीडियो किस उद्देश्य से बनाया गया और इसे सोशल मीडिया पर किन-किन माध्यमों से प्रसारित किया गया। पुलिस ने लोगों से सोशल मीडिया का जिम्मेदारी से इस्तेमाल करने और किसी भी व्यक्ति के खिलाफ आपत्तिजनक या अपमानजनक सामग्री पोस्ट अथवा शेयर नहीं करने की अपील की है। मामले में आगे की वैधानिक कार्रवाई जारी है।

जल संरक्षण में सूरजपुर ने रचा कीर्तिमान, देश में चौथा और प्रदेश में रहा अव्वल स्थान

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

सूरजपुर। जल संरक्षण के क्षेत्र में जिले ने राष्ट्रीय स्तर पर बड़ी उपलब्धि हासिल करते हुए देश में चौथा और छत्तीसगढ़ में प्रथम स्थान प्राप्त किया है। जल संचय जन भागीदारी अभियान के तहत जिले में किए गए व्यापक जल संरक्षण, वर्षा जल संचयन एवं भू-जल पुनर्भरण के कार्यों और जनभागीदारी के परिणामस्वरूप सूरजपुर ने देशभर में अपनी अलग पहचान बनाई है।बारिश की हर बूंद को सहेजने और उसे धरती के भीतर पहुंचाकर आने वाली पीढ़ियों के लिए जल सुरक्षित करने की दिशा में सूरजपुर जिले ने देश के सामने जनभागीदारी का प्रभावी मॉडल प्रस्तुत किया है।

जल शक्ति मंत्रालय के 'जल संचय जन भागीदारी' अभियान के तीसरे चरण में जिला ने जल संरक्षण के क्षेत्र में देश के शीर्ष 10 जिलों में स्थान बनाने में सफल रहे हैं। जिला ने देश में चौथा और छत्तीसगढ़ प्रदेश में पहला स्थान हासिल किया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की उपस्थिति में नई दिल्ली के सुषमा स्वराज भवन में आयोजित जल शक्ति मंत्रालय के विभागीय शिखर सम्मेलन में मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने छत्तीसगढ़ में जल संरक्षण के लिए किए जा रहे नवाचारों और जनभागीदारी आधारित प्रयासों की जानकारी राष्ट्रीय मंच पर साझा की। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने कहा कि छत्तीसगढ़ ने जल संरक्षण को केवल शासकीय योजनाओं और जल संरचनाओं के निर्माण तक सीमित नहीं रखा है। किसानों, ग्राम पंचायतों, जल सखियों, जल मित्रों और स्थानीय समुदायों को इससे जोड़कर इसे व्यापक जनअभियान का स्वरूप दिया गया है। सूरजपुर की यह उपलब्धि केवल प्रशासन की नहीं, बल्कि किसानों, ग्राम पंचायतों, जनप्रतिनिधियों, ग्रामीणों और जिलेवासियों की सामूहिक भागीदारी का परिणाम है। जल संरक्षण को जनअभियान का स्वरूप देते हुए जिले में बारिश की हर बूंद को सहेजने और उसे भू-जल के रूप में सुरक्षित करने पर विशेष जोर दिया गया। इसमें किसान जल संरक्षण के केवल लाभार्थी नहीं, बल्कि सक्रिय भागीदार हैं। किसान अपनी भूमि उपलब्ध करा रहे हैं, पंचायतें और स्थानीय समुदाय सहयोग कर रहे हैं तथा विभिन्न विभागों और योजनाओं के समन्वय से जल संरचनाओं का निर्माण किया जा रहा है।।जल संरचनाओं की जियो-टैगिंग, नियमित मॉनिटरिंग और प्रगति की समीक्षा को भी इस अभियान का महत्वपूर्ण हिस्सा बनाया गया है। जल सखी, जल मित्र, किसान और पंचायत प्रतिनिधि गांवों में जल संरक्षण की इस मुहिम को आगे बढ़ा रहे हैं। खेत में ही वर्षा जल को रोकने से भू-जल पुनर्भरण को बढ़ावा मिलने के साथ सिंचाई के लिए पानी की उपलब्धता बेहतर होने की संभावना है। लंबे समय में इससे खेती की वर्षा पर निर्भरता कम करने और जल सुरक्षा बढ़ाने में भी सहायता मिलेगी।

देश के टॉप-10 जिलों में शामिल

देश के शीर्ष 10 जिले में सूरजपुर हुआ शामिल

जिले ने राज्य स्तर की उपलब्धि के साथ ही राष्ट्रीय स्तर पर अपनी उपस्थिति दर्ज कराई है। जल संरक्षण के क्षेत्र में सूरजपुर जिला का नाम देश के शीर्ष 10 जिलों में शामिल किया गया है। जिले में जल संरक्षण को स्थानीय समुदायों से जोड़ते हुए गांव और पंचायत स्तर पर वर्षा जल संचयन एवं भू-जल पुनर्भरण के कार्य किए गए हैं। स्थानीय परिस्थितियों और जरूरतों के अनुरूप जल संरचनाओं के निर्माण के साथ लोगों की भागीदारी पर विशेष जोर दिया गया है।

सामूहिक प्रयासों का परिणाम-कलेक्टर

कलेक्टर श्रीमती रेना जमील ने कहा कि जल संरक्षण केवल शासकीय योजनाओं तक सीमित विषय नहीं है, बल्कि यह प्रत्येक नागरिक की सामूहिक जिम्मेदारी है। सूरजपुर जिले का देश के शीर्ष 10 जिलों में शामिल होना जल संरक्षण के प्रति जनभागीदारी और सामूहिक प्रयासों का परिणाम है। जिले में वर्षा जल संचयन, भू-जल पुनर्भरण एवं जल स्रोतों के संरक्षण के कार्यों को स्थानीय आवश्यकताओं के अनुरूप निरंतर प्रोत्साहित किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि बारिश की हर बूंद को सहेजने के लिए जनभागीदारी को और मजबूत करते हुए जल संरक्षण के कार्यों को प्रभावी रूप से आगे बढ़ाया जाएगा।

जल संरक्षण के प्रयासों को निरंतर मिल रही गति- जिपं सीईओ

जिला पंचायत सीईओ विजेन्द्र सिंह पाटले ने कहा कि 'जल संचय जन भागीदारी' अभियान के तहत जिले में ग्राम पंचायत स्तर पर वर्षा जल संचयन एवं भू-जल पुनर्भरण के कार्यों को प्राथमिकता के साथ आगे बढ़ाया जा रहा है। उन्होंने कहा कि पंचायत प्रतिनिधियों, किसानों, जल सखियों, जल मित्रों और ग्रामीण समुदाय की सक्रिय भागीदारी से सूरजपुर में जल संरक्षण के प्रयासों को निरंतर गति मिल रही है।

बढ़ी समृद्धि की राह

जिले में जल संरक्षण के व्यापक प्रयासों से ग्रामीण क्षेत्रों में सकारात्मक बदलाव आया है। जिले में अब तक 5,429 जल संरक्षण संरचनाओं का निर्माण किया गया है, जिससे 94.89 लाख घन मीटर जल भराव क्षमता का सृजन हुआ है। इसके परिणामस्वरूप 5,608.26 हेक्टेयर सिंचित रकबे में वृद्धि हुई है। फॉर्म पोंड, तालाब गहरीकरण, अमृत सरोवर, रिचार्ज पिट, कंटूर ट्रेंच और गेबियन चेक डैम जैसी संरचनाएँ जल संचय के साथ कृषि एवं ग्रामीण आजीविका को मजबूती प्रदान कर रही हैं।

कैच द रेन के मंत्र को जमीन पर उतार रहा सूरजपुर

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 'कैच द रेन - जहां जल गिरे, वहीं सहेजें' के संदेश को छत्तीसगढ़ के सूरजपुर जिले ने स्थानीय परिस्थितियों के अनुरूप धरातल पर उतारा है। जिले की भौगोलिक विविधता को ध्यान में रखते हुए अलग-अलग क्षेत्रों में वहां की आवश्यकता और जल उपलब्धता के अनुसार जल संचयन तथा भू-जल पुनर्भरण की संरचनाएं विकसित की जा रही हैं। जिला प्रशासन का प्रयास है कि बारिश का अधिकतम पानी गांव और खेत की सीमा के भीतर ही रोका जाए। इससे न केवल भू-जल पुनर्भरण को बढ़ावा मिलेगा, बल्कि सिंचाई, पेयजल और अन्य स्थानीय जरूरतों के लिए जल उपलब्धता को भी बेहतर बनाया जा सकेगा।

सी-प्राइम' घोटाले की गूंज प्रतापपुर तक, करोड़ो निवेश के दावे ने बढ़ाई चिंता

पहले 'सी बुल्स' के निवेश से चोट खा चुके क्षेत्र में फिर बड़े नेटवर्क का सवाल

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

सूरजपुर। देशभर में करीब 7 से 8 सौ करोड़ रुपये के निवेश घोटाले के आरोपों के बीच 'सी-प्राइम कैपिटल' का मामला अब जिले के प्रतापपुर क्षेत्र में भी चर्चा का विषय बन गया है। उत्तर प्रदेश एसटीएफ द्वारा इस मामले के कथित मुख्य आरोपी जतींद्र राम की गिरफ्तारी और जांच में हजारों निवेशकों तथा बड़े एजेंट नेटवर्क की जानकारी सामने आने के बाद प्रतापपुर में भी निवेश से जुड़े दावों ने प्रशासनिक चिंता बढ़ा दी है। राष्ट्रीय रिपोर्टों के अनुसार गिरोह सोशल मीडिया, सेमिनार और बैठकों के जरिए लोगों को निवेश तथा आकर्षक रिटर्न का भरोसा दिलाता था। स्थानीय सूत्रों के अनुसार प्रतापपुर ब्लॉक में 'सी-प्राइम कैपिटल' से जुड़ी निवेश गतिविधियों में 100 करोड़ रुपये से अधिक की रकम लगने का दावा किया जा रहा है। इनमें बड़ी संख्या में शिक्षक और अन्य कर्मचारी शामिल बताए जा रहे हैं। कई लोगों द्वारा कर्ज लेकर अथवा अपनी जमा पूंजी लगाकर निवेश किए जाने की चर्चा भी क्षेत्र में है। हालांकि स्थानीय स्तर पर सामने आ रही निवेश की यह राशि अभी किसी आधिकारिक जांच या प्रशासनिक रिपोर्ट से प्रमाणित नहीं हुई है। ऐसे में पूरे मामले में कुल निवेश, निवेशकों की संख्या, एजेंटों की भूमिका और रकम के लेनदेन की स्वतंत्र जांच बेहद जरूरी हो गई है। क्षेत्र में निवेश से जुड़े नेटवर्क के सक्रिय होने की चर्चा के बीच लगातार बैठकों और सेमिनार आयोजित किए जाने की जानकारी सामने आ रही है। सूत्रों का दावा है कि लोगों को निवेश की योजनाएं समझाने और नए लोगों को जोड़ने के लिए स्थानीय स्तर पर नेटवर्क तैयार किया गया।

सबसे गंभीर सवाल यह है कि यदि सरकारी कर्मचारी, विशेषकर शिक्षक, बड़े पैमाने पर ऐसे निवेश नेटवर्क से जुड़े हैं और कार्यदिवस में स्कूल की जिम्मेदारियों के बजाय बैठकों व सेमिनार में समय दे रहे हैं, तो इसका सीधा असर विद्यालयीन व्यवस्था पर पड़ सकता है। शिक्षकों की कथित सक्रियता अब केवल निवेश तक सीमित सवाल नहीं रह गया है। यदि शिक्षक नियमित शैक्षणिक दायित्वों के बीच निवेश संबंधी बैठकों में शामिल हो रहे हैं तो बच्चों की पढ़ाई, विद्यालय में उपस्थिति और शिक्षा की गुणवत्ता पर भी सवाल उठना स्वाभाविक है। क्या विभाग को शिक्षकों की ऐसी गतिविधियों की जानकारी है क्या किसी शिक्षक ने विद्यालयीन समय में सेमिनार या बैठक में हिस्सा लिया क्या इस संबंध में कोई अनुमति ली गई। यदि शिक्षक लगातार ऐसी गतिविधियों में सक्रिय हैं तो विभागीय स्तर पर निगरानी क्यों नहीं हुई। जांच के बाद ही इन सवालों का जवाब स्पष्ट हो सकेगा।मामला सामने आने के बाद प्रतापपुर क्षेत्र में सोशल मीडिया के विभिन्न माध्यमों पर तरह-तरह के दावे और संदेश प्रसारित हो रहे हैं। कहीं निवेश की रकम को लेकर अलग-अलग आंकड़े सामने आ रहे हैं तो कहीं कंपनी और उससे जुड़े लोगों के बारे में अपुष्ट जानकारी प्रसारित की जा रही है। प्रतापपुर और आसपास के क्षेत्र में निवेश के नाम पर लोगों के पैसा गंवाने की चर्चा नई नहीं है। जशपुर जिले में 'सी बुल्स ग्लोबल सॉल्यूशन' से जुड़े करीब 6 करोड़ रुपये की ठगी के मामले में पुलिस कार्रवाई हो चुकी है। जांच में निवेशकों को आकर्षक लाभ का भरोसा दिलाने, शुरुआती भुगतान करने और बाद में भुगतान रोकने जैसी बातें सामने आई थीं। पुलिस ने मामले में कई आरोपियों को गिरफ्तार भी किया था। ऐसे में प्रतापपुर में फिर किसी बड़े निवेश नेटवर्क के सक्रिय होने की चर्चा ने पुराने अनुभवों की याद ताजा कर दी है। यदि प्रतापपुर में 100 करोड़ रुपये से अधिक निवेश का दावा सही निकलता है तो यह सामान्य निवेश विवाद नहीं, बल्कि बड़े वित्तीय नेटवर्क की जांच का विषय बन सकता है। जांच में यह पता लगाना जरूरी होगा कि यहां कितने लोगों ने पैसा लगाया, किसके माध्यम से लगाया, किस खाते में रकम गई, किसने चेक या नकद राशि ली, कौन-कौन से स्थानीय एजेंट सक्रिय थे और निवेशकों को किस प्रकार का रिटर्न दिखाया गया। प्रतापपुर में पहले सामने आ चुके निवेश संबंधी विवादों और अब सी-प्राइम मामले की राष्ट्रीय जांच को देखते हुए जिला प्रशासन, पुलिस और शिक्षा विभाग द्वारा संयुक्त रूप से पूरे मामले की पड़ताल किए जाने की जरूरत महसूस की जा रही है। यदि निवेश का आंकड़ा वास्तव में इतना बड़ा है तो यह केवल निवेशकों के पैसे का मामला नहीं, बल्कि सरकारी कर्मचारियों की भूमिका और शिक्षा व्यवस्था पर पड़ रहे संभावित प्रभाव की भी गंभीर जांच का विषय है।

धूमाडांड में बिना इलाज दम तोड़ रहे मवेशी, टीकाकरण और कृत्रिम गर्भाधान ठप

पशुपालकों में आक्रोश, ग्रामीणों ने दी आंदोलन की चेतावनी

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

सूरजपुर। प्रतापपुर विकासखंड के ग्राम पंचायत धूमाडांड क्षेत्र में पशु चिकित्सा विभाग की कथित लापरवाही और उदासीनता का खामियाजा अब पशुपालकों और उनके मवेशियों को भुगतना पड़ रहा है। ग्रामीणों का आरोप है कि क्षेत्र का पशुधन इन दिनों भगवान भरोसे है। पशु औषधालय की नियमित व्यवस्था प्रभावित होने के कारण पशुओं का उपचार, टीकाकरण और कृत्रिम गर्भाधान जैसी महत्वपूर्ण सेवाएं लंबे समय से प्रभावित हैं। ग्रामीणों के अनुसार, धूमाडांड स्थित पशु औषधालय में पदस्थ कर्मचारी दीपक पण्डो को एक वर्ष से अधिक समय से जिला मुख्यालय में अटैच किया गया है। उनके क्षेत्र से हटने के बाद पशु औषधालय की व्यवस्था पूरी तरह चरमरा गई है। नियमित कर्मचारी के अभाव में पशुपालकों को अपने बीमार मवेशियों के उपचार हेतु इधर-उधर भटकना पड़ रहा है। ग्रामीणों का आरोप है कि औषधालय में पर्याप्त व्यवस्था नहीं होने के कारण क्षेत्र में कृत्रिम गर्भाधान का कार्य भी पूरी तरह बंद हो गया है। इसका सीधा असर पशुपालकों की आय और पशुधन बढ़ाने की प्रक्रिया पर पड़ रहा है। वहीं समय पर उपचार नहीं मिलने के कारण कई मवेशियों की हालत बिगड़ने और मौत होने की बात भी ग्रामीणों द्वारा कही जा रही है। पशुपालकों का आरोप है कि लंबे समय से क्षेत्र में नियमित टीकाकरण नहीं होने के कारण मवेशियों में विभिन्न बीमारियों का खतरा बढ़ गया है। इस बदहाल व्यवस्था का असर गोविंदपुर, नरोला, बोंगा और बड़वार सहित आसपास के कई गांवों के पशुपालकों पर पड़ रहा है। ग्रामीणों का कहना है कि पशु उनके परिवार की आजीविका का महत्वपूर्ण साधन हैं, ऐसे में पशु चिकित्सा सेवाओं का ठप होना गंभीर समस्या है।

फोन नहीं उठाने का आरोप

ग्रामीणों ने ब्लॉक चिकित्सा अधिकारी की कार्यप्रणाली पर भी सवाल उठाए हैं। आरोप है कि समस्याओं को लेकर संपर्क करने के बावजूद अधिकारी द्वारा जनप्रतिनिधियों और ग्रामीणों के फोन नहीं उठाए जाते। इससे ग्रामीणों में विभाग के प्रति नाराजगी और बढ़ती जा रही है। पशुपालकों ने विभाग से मांग की है कि दीपक पण्डो का अटैचमेंट समाप्त कर उन्हें धूमाडांड वापस भेजा जाए, अथवा तत्काल वैकल्पिक कर्मचारी की व्यवस्था की जाए। इसके साथ ही नियमित पशु उपचार, टीकाकरण और कृत्रिम गर्भाधान की सुविधा बहाल करने की मांग की गई है। ग्रामीणों ने चेतावनी दी है कि यदि जल्द ही पशु चिकित्सा व्यवस्था में सुधार नहीं किया गया और क्षेत्र में नियमित सेवाएं शुरू नहीं हुईं, तो प्रभावित गांवों के ग्रामीण उग्र आंदोलन और सड़क पर उतरने के लिए मजबूर होंगे।

राज्यपाल पुरस्कार से आज सम्मानित होंगे जिले के दो शिक्षक, उत्कृष्ट कार्य हेतु राजभवन में किया जाएगा सम्मानित

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

सूरजपुर। शिक्षक दिवस पर आज 5 सितंबर को रायपुर स्थित राजभवन में आयोजित राज्य स्तरीय शिक्षक सम्मान समारोह में जिले के दो शिक्षकों को राज्यपाल पुरस्कार से सम्मानित किया जाएगा। विकासखंड रामानुजनगर के शासकीय बालक उच्चतर माध्यमिक विद्यालय के व्याख्याता गोपाल सिंह एवं शासकीय माध्यमिक शाला पतरापाली के शिक्षक योगेश कुमार साहू का चयन उत्कृष्ट शैक्षणिक कार्य एवं नवाचार के लिए किया गया है। शिक्षक योगेश कुमार साहू ने गतिविधि आधारित शिक्षा, किचन गार्डन, पर्यावरण संरक्षण तथा शाला त्यागी बच्चों को शिक्षा की मुख्यधारा से जोड़ने की दिशा में उल्लेखनीय कार्य किया। तथा व्याख्याता गोपाल सिंह ने विज्ञान शिक्षा में नवाचार, विज्ञान क्लब, प्रयोग एवं मॉडल निर्माण जैसी गतिविधियों के माध्यम से विद्यार्थियों में वैज्ञानिक दृष्टिकोण विकसित किया। उनके मार्गदर्शन में विद्यार्थियों ने राज्य एवं राष्ट्रीय स्तर पर उत्कृष्ट प्रदर्शन किया है।कलेक्टर श्रीमती रेना जमील ने राज्यपाल पुरस्कार के लिए चयनित दोनों शिक्षकों को बधाई एवं शुभकामनाएं दी हैं। उन्होंने कहा कि जिले के शिक्षकों द्वारा नवाचार एवं गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के क्षेत्र में किए जा रहे उत्कृष्ट कार्य विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं। दोनों शिक्षकों का राज्य स्तरीय सम्मान के लिए चयन जिले के लिए गौरव की बात है। उन्होंने जिले के अन्य शिक्षकों से भी नवाचार एवं रचनात्मक गतिविधियों के माध्यम से शिक्षा की गुणवत्ता को और बेहतर बनाने का आह्वान किया।

रात 12 बजे मंदिरों में गूंजा 'नन्द के आनन्द भयो जय कन्हैयालाल की'

प्राचीन राधा-वल्लभ मंदिर सहित जिले भर में जन्माष्टमी पर उमड़ी श्रद्धालुओं की भीड़

जन्मोत्सव के मौके पर मंडलियों ने गाए बधाई गीत, बाल-गोपाल को झुलाने उमड़े भक्त

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। श्रीकृष्ण जन्माष्टमी शहर सहित पूरे सरगुजा संभाग में शुक्रवार को धूमधाम के साथ मनाई गई। शहर के सबसे प्राचीन राधा वल्लभ मंदिर में रात 12 बजे भगवान कृष्ण जन्मोत्सव का आयोजन हुआ। इस दौरान मंडलियों द्वारा बधाई गीत गाकर जन्मोत्सव का जश्न मनाया गया। मंदिर में बाल कृष्ण के लिए पालकी सजाई गई थी, जिसे श्रद्धालुओं द्वारा झुलाया गया। पूरे दिन श्रद्धालुओं का तांता दर्शन करने के लिए मंदिर में लगा रहा, लोगों ने अपने परिवार के साथ मंदिर पहुंच कर पूजा अर्चना की। महिलाओं द्वारा भजन कीर्तन भी किया गया।

श्री कृष्ण जन्माष्टमी के अवसर पर राज परिवार द्वारा वर्षों पहले बनवाए गए राधा वल्लभ मंदिर को आकर्षक तरीके से सजाया गया था। मंदिर के पुजारी राम नरेश द्विवेदी ने बताया कि, रात 12 बजे राज पुरोहित द्विपेश पांडेय द्वारा जन्मोत्सव की पूजा कराई गई। इसके बाद अलसुबह तक भजन-कीर्तन का आयोजन चलता रहा। इस मौके पर सिंघाड़ा व नारियल के व्यंजन तैयार किए गए थे। शहर के सबसे प्राचीन राधा वल्लभ मंदिर को आधुनिक लाइटिंग व फूल मालाओं से सजाया गया था। मंदिर में पूरे दिन पूजा के लिए श्रद्धालु आते रहे। लेकिन शाम होते ही मंदिर में भक्तों की भीड़ उमड़ पड़ी। भीड़ को नियंत्रण करने के लिए मंदिर के मुख्य द्वार पर पुलिस बल तैनात किया गया था।

बता दें कि शहर का प्राचीन राधा वल्लभ मंदिर 95 वर्ष पुराना है। मंदिर का निर्माण राज परिवार द्वारा वर्ष 1931 में कराया गया था। तब से प्रति वर्ष श्री कृष्ण जन्माष्टमी पर विधिवत पूजा-अर्चना की जाती है। शहर सहित आस-पास क्षेत्र के भक्त दर्शन के लिए पहुंचते हैं। कृष्ण जन्माष्टमी पर सुबह से लेकर देर रात तक श्रद्धालुओं का दर्शन करने का सिलसिला चलता रहता है। राजपरिवार के सदस्यों ने भी मंदिर में पूजा-अर्चना करके भक्तों को श्री कृष्ण जन्माष्टमी पर्व की शुभकामनाएं दी।

व्रत रखकर घरों में भी पूजा-अर्चना

श्रीकृष्ण जन्माष्टमी के अवसर पर कई श्रद्धालु निर्जला रख कर रात 12 बजने का इंतजार करते रहे। रात 12 बजे भगवान का जन्मोत्सव घरों में भी मनाया गया। भक्तों द्वारा भगवान बाल गोपाल को दूध, शहद, दही से स्नान कराया गया और विशेष श्रृंगार करके झूला झुलाया।

मटकी फोड़ प्रतियोगिता का आयोजन

शहर सहित ग्रामीण क्षेत्रों में भी जन्माष्टमी की धूम रही। विभिन्न संगठनों के द्वारा जगह-जगह मटकी फोड़ प्रतियोगिता का आयोजन किया गया था। मटकी फोड़ प्रतियोगिता में युवा व बच्चे दकर रात तक उत्साह से भाग लिए। डीजे की धुन पर नाचते गाते नजर आए। कई स्थानों पर संगठनों द्वारा मटकी फोड़ प्रतियोगिता में पुरस्कार भी रखे गए थे।

जहरीले जन्तु के काटने से किशोर की मौत

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। पलंग में सो रहे 17 वर्षीय किशोर को किसी जहरीले जन्तु ने काट लिया, क्षेत्रीय अस्पताल से रिफर करने पर स्वजन उसे अंबिकापुर लेकर आ रहे थे, लेकिन रास्ते में ही उसकी मौत हो गई। पुलिस ने मामले में मर्ग कायम कर लिया है।

जानकारी के मुताबिक, कोरिया जिला के बैकुंठपुर थाना क्षेत्र का संतोष पनिका पिता रंगलाल पनिका 17 वर्ष, 3 सितम्बर को जिला अस्पताल बैकुंठपुर में भर्ती दादी के लिए खाना पहुंचाने गया था। अस्पताल से वापस रात 10 बजे घर आया और अपने कमरे में पलंग पर जाकर सो गया। 4 सितम्बर को अलसुबह 3 बजे वह शोर मचाकर अपने घर वालों को बताया कि गर्दन में कुछ काट लिया है। आवाज सुनकर जब स्वजन कमरे में पहुंचे तो दाहिने कान के नीचे गर्दन में कुछ काटने का निशान था। बिस्तर और आसपास देखने पर उन्हें कुछ नजर नहीं आया। युवक की तबियत खराब होते देखकर वे उसे बैकुंठपुर जिला अस्पताल ले गए। यहां से प्राथमिक उपचार के बाद रेफर करने पर स्वजन उसे मेडिकल कॉलेज संबद्ध अस्पताल अंबिकापुर लेकर पहुंचे, यहां आपातकालीन चिकित्सा परिसर में जांच के बाद चिकित्सक ने उसे मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने मृतक के शव को पोस्टमार्टम के बाद स्वजन के सुपुर्द कर दिया है।

स्कूल से मिड-डे मील का चावल सहित 37 हजार का सामान पार

छ.ग.फ्रंटलाइन बसदेई। सूरजपुर जिले के स्वामी आत्मानंद उत्कृष्ट अंग्रेजी-हिन्दी माध्यम विद्यालय बसदेई में चोरों ने धावा बोला, और 24 अगस्त की रात को पुरानी बिल्डिंग और 3 कमरों का ताला और पेटी की कुंडी तोड़कर चोरी की वारदात को अंजाम दिया। स्कूल के प्राचार्य रामचंद्र सोनी ने चैकी बसदेई में इसकी रिपोर्ट दर्ज कराई है। चोर पहले कक्ष से मिड-डे मील का लगभग 8 क्विंटल चावल, दूसरे कक्ष से पुराने बर्तन और तीसरे कक्ष से व्यवसायिक शिक्षा से संबंधित सामान लेकर निकल लिए। प्राचार्य के मुताबिक चावल की कीमत करीब 4800 रुपये, बर्तन 2500 रुपये और व्यवसायिक सामग्री की कीमत करीब 30 हजार रुपये है। इस प्रकार चोर ने 37 हजार से अधिक की क्षति पहुंचाई है। बसदेई चैकी प्रभारी ने मामले में धारा 305(क), 331(4) बीएनएस के तहत मामला दर्ज कर लिया है और जांच शुरू कर दी है।

चीनी की बढ़ती कीमतों के विरोध में कांग्रेस ने एक दिवसीय सत्याग्रह किया

'चीनी चोर, गाड़ी छोड़' के नारे लगाए, केंद्र और राज्य सरकार पर साधा निशाना

छ.ग.फ्रंटलाइन बलरामपुर। चीनी की बढ़ती कीमतों के विरोध में प्रदेश कांग्रेस कमेटी के आह्वान पर शुक्रवार को जिला कांग्रेस कमेटी बलरामपुर द्वारा राजीव गांधी चौक नया बस स्टैंड में एक दिवसीय सत्याग्रह कार्यक्रम किया गया। इस दौरान कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने केंद्र और राज्य सरकार के खिलाफ नारेबाजी करते हुए बढ़ती महंगाई पर जमकर निशाना साधा।

कांग्रेस नेताओं ने कहा कि, कुछ माह पहले तक करीब 40 रुपये किलो मिलने वाली चीनी अब 70 से 75 रुपये किलो तक पहुंच गई है। त्योहार के सीजन में चीनी का दाम बढ़ने से आम लोगों पर आर्थिक बोझ पड़ रहा है। कार्यकर्ताओं ने सवाल उठाया कि कीमतों में इतनी तेजी से वृद्धि होने के बावजूद सरकार ने समय रहते इस पर नियंत्रण क्यों नहीं किया। जिला कांग्रेस अध्यक्ष हरिहर प्रसाद यादव ने आरोप लगाया कि केंद्र और राज्य सरकार अपने करीबी पूंजीपति मित्रों को लाभ पहुंचाने के लिए महंगाई पर नियंत्रण नहीं कर रही है। उन्होंने कहा कि सरकार को गरीब और आम जनता की चिंता करने के बजाय अपने पुंजी पती मित्रों की चिंता है। बलरामपुर जनपद सदस्य एवं ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष समीर सिंह देव ने कहा कि घरेलू उपयोग की आवश्यक वस्तुओं की लगातार बढ़ती कीमतों से आम लोगों को गंभीर आर्थिक परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। उन्होंने कहा कि यदि सरकार को गरीब और आम जनता की चिंता होती तो आवश्यक वस्तुओं के दाम इस तरह नहीं बढ़ते। सत्याग्रह के दौरान कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने चीनी चोर गद्दी छोड़ के नारा लगाकर विरोध प्रदर्शन किया। कार्यक्रम में छोटू बंगाली, राजपुर ब्लॉक अध्यक्ष नीरज तिवारी, अध्यक्ष कृपा शंकर, लालसाय मिंज, चांदो ब्लॉक अध्यक्ष अब्दुला खान, राजपुर मंडल अध्यक्ष सुनील भगत, सेवादल ब्लॉक अध्यक्ष बिगन दास, सरपंच संस्कृति रक्सेल सहित बड़ी संख्या में कांग्रेस पदाधिकारी व कार्यकर्ता मौजूद रहे।

डुमरडीह स्कूल में जरूरतमंद बच्चों को चप्पल, छाता वितरण, खिले चेहरे

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। लगातार बारिश के बीच भी सेवा किटी की सदस्यों ने 60 किलोमीटर का चक्कर काटकर लुंड्रा विकासखंड के ग्राम डुमरडीह प्राथमिक शाला में हलषष्ठी पर्व पर बिना चप्पल स्कूल आ रहे बच्चों को चप्पल, छाता, कॉपी-पेन और बिस्किट वितरण किया। पहली बार गांव के स्कूल में सामाजिक सरोकारों से जुड़ी कोई संस्था पहुंची, जिससे शिक्षक और बच्चे गदगद हो गए।

सेवा किटी की संस्थापिका वंदना दत्ता को कुछ दिन पहले उनके पास एक तस्वीर आई थी, जिसमें बच्चे बिना चप्पल के स्कूल आना-जाना कर रहे थे। इसके बाद समूह की महिलाओं के साथ उन्होंने चर्चा की और सर्वसम्मति से इनकी मदद के लिए आगे आने का निर्णय लिया। हलषष्ठी के मौके पर वे सुनीता दास और आतिशी भट्टाचार्य के साथ स्कूल पहुंचीं और बच्चों को चप्पल, छाता, पेन, कॉपी, पेंसिल, बिस्किट, टॉफी वितरित कर संतान के दीर्घायु होने की कामना कीं। कोलकाता से श्रीरूपा राय चैधरी ने भी वितरण में सहयोग किया, और सेवा किटी के कार्यों को सराहा। पूनम जायसवाल, सिम्मी छाबड़ा, स्मिता तिवारी का सहयोग भी सराहनीय रहा। इस दौरान बहुत बारिश हो रही थी, पुल पर पानी बह रहा था। ऐसे में खतरे की स्थिति को भांपकर टीम 60 किलोमीटर घूमते स्कूल तक पहुंची। विद्यालय के शिक्षक निराकार विशाल, भूषण चैधरी, वरनावस लकड़ा, ललित कुमार मिश्रा उपस्थित थे। विद्यालय परिवार ने कहा कि पहली बार कोई सामाजिक समूह इस तरह सेवा के लिए गांव तक पहुंचा है। वहीं जरूरत की चीजें मिलने पर बच्चों के चेहरे खुशी से खिल उठे।

ब्रह्माकुमारी सेवा केंद्र में धूमधाम से मना जन्माष्टमी, सतयुगी झांकी बनी आकर्षण का केंद्र

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। प्रजापिता ब्रह्माकुमारी सेवा केंद्र में श्रीकृष्ण जन्माष्टमी आध्यात्मिक उल्लास के साथ मनाई गई। श्रीकृष्ण के जीवन और सतयुगी संस्कृति की झांकी सजाई गई, बच्चों ने मनमोहक नृत्य-नाटक प्रस्तुत किए।

संचालिका ब्रह्माकुमारी विद्या दीदी ने कहा निराकार परमात्मा शिव का अवतरण रात्रि के समय अर्थात कलियुग के अंत में ब्रह्मा तन द्वारा होता है। परमात्मा सत्य ज्ञान से मनुष्य को काम, क्रोध, लोभ, मोह, अहंकार से मुक्त कर पावन बनाते हैं। जब मनुष्य विकारों से मुक्त होकर पूर्ण पवित्र बनता है, तब वह सतयुगी दुनिया में प्रवेश करता है, जिसके प्रथम राजकुमार श्रीकृष्ण होते हैं। श्रीकृष्ण ही आगे चलकर नारायण और राधा लक्ष्मी बनती हैं। कार्यक्रम में श्रीकृष्ण के जीवन और सतयुगी संस्कृति पर आधारित सुंदर झांकी सजाई गई। बच्चों एवं युवाओं द्वारा सांस्कृतिक प्रस्तुतियां दी गईं। अदिति ने सुंदर नृत्य प्रस्तुत किया, वहीं खुशी गुप्ता, रोशनी, अनुष्का एवं क्षितिज द्वारा नृत्य-नाटक की प्रस्तुति ने उपस्थित लोगों का मन मोह लिया। बीके ज्योति एवं बीके प्रतिमा द्वारा भजन गीत प्रस्तुत किए गए। पूरे कार्यक्रम के दौरान आध्यात्मिकता एवं उमंग-उत्साह का वातावरण बना रहा। उपस्थित श्रद्धालुओं ने सांस्कृतिक प्रस्तुतियों का आनंद लेते हुए श्रीकृष्ण के दिव्य चरित्र एवं सतयुगी संस्कृति को अपने जीवन में अपनाने का संकल्प लिया। कार्यक्रम का समापन प्रसाद वितरण के साथ हुआ।

सरगुजा सेवा समिति की नवीन कार्यकारिणी गठित

पीजी कॉलेज ग्राउंड में होगा भव्य विजयादशमी महोत्सव

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। सरगुजा सेवा समिति की आवश्यक बैठक अध्यक्ष रजनी रविशंकर त्रिपाठी के निवास पर वरिष्ठ पदाधिकारी अखिलेश सोनी की उपस्थिति में संपन्न हुई। बैठक में सर्वसम्मति से पुरानी कार्यकारिणी को भंग करते हुए आगामी सत्र के लिए नवीन कार्यकारिणी का गठन किया गया। साथ ही इस वर्ष विजयादशमी महोत्सव को भव्य एवं ऐतिहासिक स्वरूप में आयोजित करने का निर्णय लिया गया।

समिति की अध्यक्ष रजनी रविशंकर त्रिपाठी ने बताया कि समिति सामाजिक एवं सांस्कृतिक परंपराओं को आगे बढ़ाने के साथ समाज को एकजुट करने के उद्देश्य से लगातार कार्य कर रही है। इस वर्ष विजयादशमी महोत्सव पीजी कॉलेज ग्राउंड में भव्य स्तर पर आयोजित किया जाएगा। इसमें विशाल रावण दहन, भव्य आतिशबाजी, संभाग स्तरीय लोक नृत्य एवं रामचरितमानस गायन प्रतियोगिता तथा भगवान श्रीराम, लक्ष्मण एवं वीर हनुमान जी की भव्य शोभायात्रा प्रमुख आकर्षण होंगे।

उन्होंने बताया कि नवीन कार्यकारिणी में संरक्षक राजेश अग्रवाल, अनिल सिंह मेजर, ललन प्रताप सिंह एवं मंजूषा भगत, अध्यक्ष रजनी रविशंकर त्रिपाठी; उपाध्यक्ष अखिलेश सोनी, भारत सिंह सिसोदिया, विधानंद मिश्रा, राजीव विश्वकर्मा, प्रयागराज साहू, राजेश कश्यप, महेंद्र अग्रवाल एवं विशाल गोस्वामी को जिम्मेदारी दी गई है। महासचिव संजय अग्रवाल एवं मधुसूदन शुक्ला, सचिव आकाश गुप्ता, शुभम अग्रवाल एवं मधु चौदहा, सह-सचिव जयंत जैन, नरेंद्र टूटेजा, दीपक अग्रवाल, नीरज अग्रवाल, देवेंद्र सिंह, वीर सोनी, अमन गुप्ता एवं अविनाश मंडल, कोषाध्यक्ष दीपक सोनी तथा प्रचार-प्रसार प्रमुख सह मीडिया प्रभारी पीयूष कुमार त्रिपाठी बनाए गए हैं।

रजनी रविशंकर त्रिपाठी ने कहा कि कार्यकारिणी के सदस्यों को शीघ्र ही आयोजन से संबंधित अलग-अलग जिम्मेदारियां सौंपी जाएंगी, ताकि विजयादशमी महोत्सव को यादगार बनाया जा सके।

क्रूरता से बांधकर पिकअप में भर रहे थे मवेशी

पुलिस को देखकर भागे दो तस्कर, एक पकड़ाया

छ.ग.फ्रंटलाइन शंकरगढ़। बलरामपुर जिला के थाना शंकरगढ़ अंतर्गत ग्राम जशवंतपुर बाघुटोगरी में गौ-रक्षा समिति ने मवेशी तस्करी की मिली सूचना पर पुलिस का सहयोग लिया। गौ-रक्षक महेंद्र कुमार पैकरा की रिपोर्ट पर पुलिस ने 3 आरोपियों के खिलाफ अपराध दर्ज किया है, और एक तस्कर को कब्जे में लेने में सफल हुई है।

जानकारी के मुताबिक, 2 सितंबर की रात करीब 10 बजे गांव वालों की सूचना पर गौ रक्षा समिति के सदस्य मौके पर पहुंचे तो पिकअप क्रमांक जेएच 03 एएन 0309 और अर्टिगा कार क्रमांक सीजी 12 बीएफ 6072 खड़ी है। आरोपी गाय-बैलों के चारों पैर और पूंछ एक ही रस्सी से क्रूरतापूर्वक बांधकर पिकअप में लोड कर रहे थे। गांव वालों को देखकर पिकअप चालक मनौवर और अर्टिगा चालक सोनू उर्फ इमरान अंसारी गाड़ी लेकर चिरईघाट की ओर भाग गए, जबकि कौशर अंसारी पिता अलबुद्दीन अंसारी निवासी मानपुर मौके पर पकड़ा गया, उसने मवेशियों को बूचड़खाना ले जाने के लिए पिकअप में लोड करने की जानकारी दी। पुलिस ने मौके से 3 मवेशी बरामद किए, और कब्जे में आए आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने मामले में आरोपियों के विरूद्ध छत्तीसगढ़ कृषक पशु परिरक्षण अधिनियम 2004 की धारा 4, 6, 10 और पशु क्रूरता निवारण अधिनियम 11(1)(घ) के तहत मामला दर्ज किया है।

कर्ज अदायगी के लिए रुपये की व्यवस्था करने निकले युवक का पता नहीं

मासूम बच्चों के साथ 16 दिन राह देखने के बाद पत्नी पहुंची थाने

छ.ग.फ्रंटलाइन रामचंद्रपुर। बलरामपुर जिले के रामचंद्रपुर थाना अंतर्गत ग्राम सिलाजू निवासी पिंकी प्रजापति ने अपने पति अकलेश कुमार प्रजापति (25 वर्ष) के लापता होने की रिपोर्ट थाना रामचंद्रपुर में दर्ज कराई है।

महिला ने पुलिस को बताया है कि उसके पति ने गांव में किसी से उधार लिया था, जिसे लेकर विवाद की स्थिति बनी थी। इसके बाद वह रुपये लौटाने के लिए पैसा जुगाड़ करने 18 अगस्त को दो छोटे बच्चों और पत्नि को छोड़कर रिश्तेदार के घर जाने की बात कहकर निकला था। इस दौरान वह अपना मोबाइल फोन घर में ही छोड़ दिया था। 3 सितंबर तक पति के वापस नहीं लौटने से चिंतित महिला ने रिश्तेदारों और आसपास के गांवों में तलाश के बाद भी कुछ पता नहीं चलने पर संदेह जताया है कि उसके पति को कोई अज्ञात व्यक्ति अपने निगरानी में रखा है, इसलिए वापस घर नहीं आ रहा है। पुलिस ने गुमशुदगी का मामला दर्ज कर लिया है और अग्रिम जांच, कार्रवाई कर रही है।

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक- मनीष पाठक द्वारा स्पीड प्रिंटर्स व आफसेट पुराना पोस्ट ऑफीस रोड दरीपारा अम्बिकापुर पिन नं. 497001 (छत्तीसगढ़) से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-रणविजय सिंह तोमर